आषाढ़ शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 338 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 07-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जब जनता का विरोध सामने आता है तो भाजपा पीछे हट जाती है : खरगे

6 कृत्रिम बुद्धिमत्ता : नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

7 एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण : शुभांगी अत्रे

फर्स्ट टेक

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं। मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया।

एलन मस्क ने की अमेरिका में नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मतभेद के बाद अमेरिका के लोगों को उनकी आजादी वापस दिलाने के लिए एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घोषणा की कि उन्होंने देश में दो-पक्षीय प्रणाली को चुनौती देने के लिए 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए आज 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया गया है।'' टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, ''जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है तो हम लोकतंत्र में नहीं, एक पार्टी प्रणाली होते में हैं।''

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने जोकोविच

लंदन/एपी। नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं।

07-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 08-07-2025 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
83,432.89 (+193.42)	25,461.00 (+55.70)

सोना	चांदी
10,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,575 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

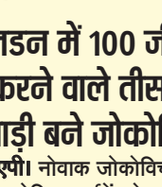

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध या खेल

भारत का मतलब युद्ध,
युद्ध को सदा समझते खेल।
खेल में भाव युद्ध के धार,
धार के संग परखते तेल।
तेल दुश्मन का सदा निकाल,
काल बन चढ़ते ऊँचे शैल।
शैल का शिखर हमारा लक्ष्य,
लक्ष्य की कसते रहे नकेल।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा

आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम में हुआ ''कायरतापूर्ण'' आतंकवादी हमला भारत की ''आत्मा, पहचान और गरिमा'' पर सीधा हमला है।

रियो डी जेनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रविवार को कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

मोदी ने शांति एवं सुरक्षा पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम में हुआ ''कायरतापूर्ण'' आतंकवादी हमला भारत की ''आत्मा, पहचान और गरिमा'' पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''यह हमला न केवल भारत पर, बल्कि पूरी मानवता पर आघात था।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''आतंकवाद की निंदा करना हमारा 'सिद्धांत' होना चाहिए, न कि केवल सहूलियत।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम पहले यह देखें कि हमला किस देश में हुआ, किसके खिलाफ हुआ तो यह मानवता के साथ विश्वासघात करना होगा।''

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता है।'' मोदी ने कहा कि आतंकवाद के संबंध में कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यदि हम ऐसा नहीं कर सकते तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं?''

'ग्लोबल साउथ' अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ है

रियो डी जेनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ग्लोबल साउथ' अक्सर ''दोहरे मानदंडों'' का शिकार हुआ है और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान देने वाले राष्ट्रों को निर्णय लेने वाले मंच पर जगह नहीं मिल पाती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद(यूएनएससी) सहित प्रमुख वैश्विक संस्थाओं में तत्काल सुधार पर भी जोर दिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में विश्व की आबादी के दो-तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के बिना ये संस्थाएं ऐसे मोबाइल फोन की तरह लगती हैं, जिनके अंदर 'सिम कार्ड' तो लगा हुआ है लेकिन नेटवर्क नहीं है।

सहकारिता क्षेत्र की 'कार्य संस्कृति' का अभिन्न अंग बनाएं प्रौद्योगिकी को : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आणंद (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वे सफलता प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी का उपयोग और सहकारी संगठनों के सदस्यों के हितों को अपनी कार्य संस्कृति में सर्वोच्च स्थान दें।

सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर शाह ने यहां अमूल डेयरी के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और सदस्यों (सहकारी क्षेत्र के किसानों और समितियों) को साथ रखना महत्वपूर्ण है।

शाह ने कहा कि प्रौद्योगिकी के बिना सहकारी समितियां समृद्ध नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा, हमारे कार्यक्षेत्र में लोगों के हितों को केंद्र में रखना भी महत्वपूर्ण है।

शाह ने सहकारी समितियों से इन तीन सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में शामिल करते हुए जम्मू-कश्मीर से लेकर 'कामाख्या' (असम में एक मंदिर) और देश के हर गांव में इनका प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुजरात में नमक सहकारी समिति की शुरुआत सहित कार्यक्रम के दौरान शुरू की गई दस पहलों से अमूल की तरह एक मजबूत ब्रांड का निर्माण होगा।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसी) का पंजीकरण, त्रिभुवन, पहले राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव रखी गई है और डेयरी क्षेत्र में तीन नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों का निर्माण किया गया है।

नेहरू के तुष्टिकरण के खिलाफ मुखर्जी ने दिया था इस्तीफा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी समझ गये थे कि आजादी मिलने का साथ ही देश को कमजोर करने वाली साजिशें सक्रिय हो गयी हैं इसीलिए उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

नड्डा ने आज आभासी माध्यम से दिल्ली और हरियाणा के नवनिर्मित क्रमशः तीन-तीन भाजपा जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा, आज छह स्थानों पर हम कार्यालयों का गणेश कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हमें यह भी ध्यान रखना है कि आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती है। इसलिए आज के दिन उनको याद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है और इससे हमारा भावनात्मक रिश्ता भी है। उन्होंने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी डॉ मुखर्जी 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बन गए थे और 36 वर्ष की आयु में विधानसभा में पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी की खासियत थी कि वह कभी भी पद से चिपके नहीं, बल्कि जीवन का बलिदान करने विचारों से अपनाया। उन्होंने कहा, डॉ.मुखर्जी हमेशा विचारधारा पर अड़े रहे और उसी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

राफेल की बिक्री प्रभावित करने के लिए चीन ने किया दूतावासों का इस्तेमाल : फ्रांसीसी अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान उन्होंने केवल तीन भारतीय विमानों को क्षति होने की ओर इशारा करते हुए सबूत देखे हैं। इनमें एक राफेल, एक रूस निर्मित सुखोई और फ्रांस निर्मित एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान शामिल है।

पेरिस/एपी। चीन ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि इस विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचाया जा सके। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखी गई फ्रांसीसी खुफिया सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के दूतावासों में रक्षा अधिकारियों (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को प्रभावित करने के लिए अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य उन देशों को राजी करना था, जिन्होंने पहले से ही फ्रांस निर्मित लड़ाकू विमान का ऑर्डर दे दिया है - विशेष रूप से इंडोनेशिया- कि वे राफेल विमान न खरीदें तथा अन्य संभावित खरीदारों को चीन निर्मित विमान चुनने के लिए प्रोत्साहित किया।

फ्रांसीसी सेना के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए रिपोर्ट एपी के साथ साझा की।

पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने सैन्य संघर्ष के दौरान पांच भारतीय विमानों को मार गिराया, जिनमें तीन राफेल भी शामिल थे। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि इससे उन देशों की ओर से राफेल के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे, जिन्होंने फ्रांसीसी निर्माता दसॉ एविएशन से लड़ाकू विमान खरीदे हैं।

भारत ने विमान के नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन यह नहीं बताया कि उसके कितने विमान गिरे हैं। फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा कि उन्होंने केवल तीन भारतीय विमानों को क्षति होने की ओर इशारा करते हुए सबूत देखे हैं। जेरोम के मुताबिक इनमें एक राफेल, एक रूस निर्मित सुखोई और फ्रांस निर्मित एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान शामिल है।

यमन तट के निकट लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई/एपी। यमन तट के निकट लाल सागर में हथियारबंद व्यक्तियों ने रविवार को एक जहाज पर हमला किया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अज्ञात जहाज को बाद में संभवतः बम ले जाने वाली नावों ने टक्कर मार दी, जिससे उसमें आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हमले की जिम्मेदारी किसी समूह ने अभी नहीं ली है। यह हमला इजराइल हमास युद्ध, ईरान-इजराइल युद्ध और ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका के हमलों के बाद मध्य एशिया में व्याप्त तनाव के बीच हुआ है। हमले को लेकर यमन के हूती विद्रोहियों पर संदेह जताया जा रहा है, जो इससे पहले भी लाल सागर गलियारे में हमले कर चुका है। वहीं, 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि जहाज पर तैनात एक सशस्त्र सुरक्षा टीम ने जवाबी हमला किया। एजेंसी ने बताया कि यह हमला यमन के होदेदा से लगभग 100 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में हुआ। होदेदा हूती विद्रोहियों के कब्जे में है।

|| परम कल्याण के कारक श्री पार्श्वनाथ भगवान को भावभीने नमन ||
|| आचार्य श्री बुद्धि-कीर्ति-कैलास-सुबोध-मनोहर-कल्याण-पद्मसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब को सविनय वंदना ||
आध्यात्मिक उन्नति, धर्मरक्षा, सामाजिक सुचिता और वैचारिक क्रांति को समर्पित
पूज्य आचार्य भगवंत श्री विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब,
गणिवर्य श्री पद्मविमलसागरजी महाराज साहब आदि 7 श्रमण भगवंतों का
गदग में ज्ञानगंगा : विमल-वर्षावास
वर्षावास-प्रवेश के लाभार्थी :
मोकलसर (राजस्थान) निवासी श्रीमती लालीदेवी रूपचंदजी बाफना, श्रीमती वीणादेवी पंकजकुमारजी बाफना

• सकल श्रीसंघ की नवकारसी : प्रातः 7.30 से 8.30 बजे (स्थल : आंबेडकर भवन, केशवनगर रिंग रोड, गदग)
• स्वागत यात्रा (सांबेला / सामैया) : प्रातः 8.30 बजे (स्थल : पंकजकुमारजी रूपचंदजी बाफना, 55, केशवनगर, गदग से)
• स्वागत-समारोह (विराट् धर्मसभा) : प्रातः 10.00 बजे (स्थल : श्री जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह, श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मू. पू. संघ, स्टेशन रोड, गदग)
• सकल श्रीसंघ का स्वामीवत्सल्य : प्रातः 11.45 बजे (धर्मसभा के पश्चात् उसी परिसर में)
• वर्षावास-स्थल / धर्मसभा-स्थल / आथित्य भक्ति-स्थल : श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ परिसर, स्टेशन रोड, गदग

बाफना डेवलपर्स, गदग (मोकलसर)	कंगन जेवेलर्स, गदग	ओसवाल कलेक्शन, गदग (मुंडरगी)	श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, गदग
दीपा नोवेल्टीज, गदग (मोकलसर)	अरिहंत ट्रेडर्स, गदग (समदड़ी)	लक्ष्मी सेल्स एजेंसी, गदग (मोकलसर)	सुरेश किराना स्टोर्स, गदग (सिवाना)
विक्रम मेडिकल, गदग (अरठवाडा)	ओम मोटर्स, गदग (मोकलसर)	विमल रिसॉर्ट्स, गदग (अरठवाडा)	कोठारी साकलचंद घीसुलालजी, गदग (कानाना)
ओसवाल मैचिंग सेंटर, गदग (मुंडारा)	कुंदन आभरना, गदग (नाडोल)	लोकप्रिया टेक्सटाइल, गदग (पाली)	लक्ष्मी पोलीकेम इंडिया लि., गदग (नीमच)
संतोष मार्केटिंग, गदग (मोकलसर)	जनता ट्रेडर्स, गदग (समदड़ी)	महावीर मेडिकल, गदग (सिवाना)	विजयलक्ष्मी ज्वेलर्स, गदग (अरठवाडा)

ऐतिहासिक वर्षावास के अनुमोदक श्रीसंघ :
• श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, गदग • श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ समाज, गदग • श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन महाजन, गदग • श्री दिगंबर जैन समाज, गदग
ऐतिहासिक वर्षावास के आयोजक-निमंत्रक : श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ, गदग (कर्नाटक)

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

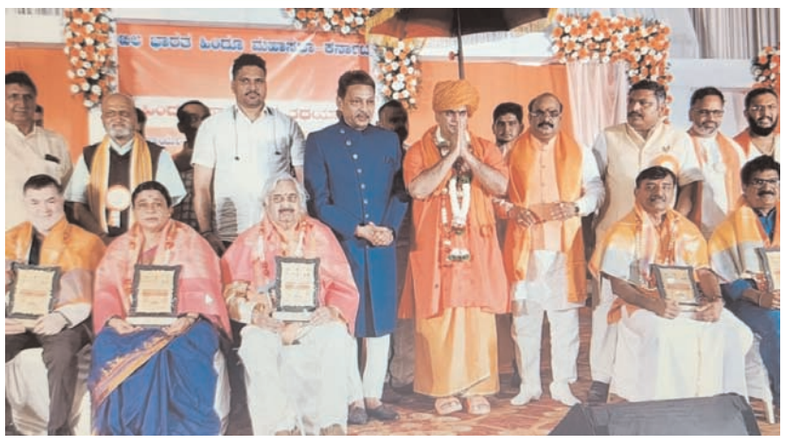

अखिल भारत हिंदू महासभा कर्नाटक द्वारा पैलेस मैदान में रविवार को आयोजित धार्मिक सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को सम्मानित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामीश्री चक्रपाणि महाराज, महासभा के राज्य अध्यक्ष मनोज कुमार, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, श्री राम सेना के राज्य अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक आदि।

सिद्दरामय्या दिल का दौरा पड़ने से हुई मौतों को कोविड टीके से जोड़ने के लिए माफी मांगें : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में, विशेष रूप से हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से हुई मौतों को कोविड-19 टीकाकरण से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से रविववार को माफी मांगने की मांग की। भाजपा ने कहा कि विशेषज्ञ समिति को मुख्यमंत्री के दावे का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। सरकार द्वारा गठित समिति के निष्कर्ष के मुताबिक, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौतों की संख्या में वृद्धि के पीछे कोई एक कारण नहीं है। समिति ने इन मौतों के लिए व्यवहारिक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय जोखिम जैसे कई कारण बताए हैं।

भाजपा ने कहा कि मुख्यमंत्री को ''निराधार आरोप'' लगाने के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सिद्दरामय्या की टिप्पणी को ''गैर-जिम्मेदाराना'' बताते हुए रेखांकित किया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-दिल्ली सहित प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों ने स्पष्ट किया है कि कोविड-19 टीकों को दिल का दौरा पड़ने से जोड़ने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

जोशी ने हुब्बल्ली में कहा, ''सिद्दरामय्या जानबूझकर ऐसे बयान दे रहे हैं क्योंकि टीके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में विकसित किये गए थे।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उन्होंने मान लिया था कि महामारी प्रधानमंत्री को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाएगी - लोग पीड़ित होंगे और उनके खिलाफ हो जाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड को संवेदनशीलता और सावधानी से संभाला।'' उन्होंने कहा कि चूंकि प्रधानमंत्री को महामारी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने का श्रेय दिया गया है, इसलिए विपक्ष निराधार दावों का सहारा ले रहा है।जोशी ने कहा, ''आईसीएमआर, एनसीडीसी और एम्स द्वारा टीकों और दिल का दौरा पड़ने के बीच किसी भी संबंध को नकारने के बाद, अब कर्नाटक सरकार के अपने जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी- जो न केवल राज्य में बल्कि पूरे भारत में एक प्रतिष्ठित संस्थान है- ने भी कोई संबंध नहीं पाया है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि सिद्दरामय्या ने स्वयं जयदेव इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. रवींद्रनाथ की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था, ताकि कोविड टीकाकरण और दिल का दौरा पड़ने से होने वाली मौतों के बीच किसी भी संभावित संबंध की जांच की जा सके। जोशी ने कहा, ''समिति ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कोविड के टीके दिल के दौरा पड़ने का कारण नहीं हैं। क्या सिद्दरामय्या अब माफी मांगेंगे? मैं उनके उक्त बयान की कड़ी निंदा करता हूं।''

भाजपा प्रवक्ता डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने भी सिद्दरामय्या की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनके बयान का उद्देश्य भारत में विकसित टीकों को बदनाम और प्रधानमंत्री को कमजोर करना है। सिद्दरामय्या ने हाल में कहा था कि हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से होने वाली मौतों का कारण कोविड-19 टीकाकरण हो सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि टीकों को ''जल्दबाजी में'' मंजूरी दी गई थी।

तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की नई टीम ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी समिति ने रविवार को गांधीनगर भवन में मुनिश्री पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में शपथ ली। कार्यकारी अध्यक्ष विमल धारीवाल ने गत कार्यकाल के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी एवं तत्पश्चात नव मनोनीत अध्यक्ष प्रसन्न धोका को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

नव मनोनीत अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने उपाध्यक्ष विनोद कोठारी, ऋषभ सेठिया, मंत्री प्रदीप चोपड़ा, सहमंत्री प्रणाय पोकरणा, प्रदीप चोपड़ा, कोषाध्यक्ष जीतू चोपड़ा, संगठन मंत्रीमोहित डूंगरवाल को शपथ ग्रहण करवाई। इस मौके पर अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत, पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, दिनेश पोकरना, शाखा प्रभारी अमित दक ने नई कमेटी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, अभातेयुप, स्थानीय परिषद पदाधिकारियों ने मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के बैनर का अनावरण किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया।

एयरपोर्ट मेट्रो लाइन पर बेट्टाहलासुर क्रॉस, चिक्काजाला में मेट्रो रेलवे स्टेशन की मांग

तमेश गौड़ा के नेतृत्व में संघर्ष के लिए प्रारंभिक बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेट्टाहलासुर क्रॉस और चिक्काजाला के पास मेट्रो रेलवे स्टेशन की स्थापना की मांग करते हुए, भाजपा के राज्य सचिव एचसी तमेश गौड़ा के नेतृत्व में आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों और नेताओं ने हुनसमरनहल्ली गांव के पास अगले संघर्ष के लिए एक प्रारंभिक बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए, तमेश गौड़ा ने कहा, 'आसपास के ग्रामीणों की मांग है कि सरकार बेट्टाहलासुर क्रॉस और चिक्कजाला गांवों में मेट्रो स्टेशन स्थापित करे, और इस क्षेत्र में मेट्रो स्टेशन की स्थापना आवश्यक है। यह बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाने वाली एक प्रतिष्ठित सड़क है, और इस क्षेत्र में लगभग 40 गाँव हैं, जिनकी आबादी डेढ़ लाख से अधिक है। देवनहल्ली डीसी

कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क, राजनुकुंटे, सिंगनायकनहल्ली गांवों की ओर जाने वाली संपर्क सड़क, चिक्काबल्लापुर जिले और आंध्र प्रदेश की ओर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग भी इसी मार्गदर्शन के अंतर्गत हैं। बीएमआरसी ने बेंगलूरु के आनेकल रोड, कनकपुरा रोड, केआरपुरा, होसकोटे रोड जैसे विभिन्न हिस्सों में हर एक या दो किलोमीटर पर एक मेट्रो रेल स्टेशन स्थापित किया है। शुरुआत में इसने बेट्टाहलसुरु क्रॉस पर मेट्रो स्टेशन स्थापित करने की पूरी तैयारी की, स्टेशन की स्थापना के लिए किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया और मुआवजा राशि भी जारी की। लेकिन मेट्रो स्टेशन स्थापना परियोजना को अचानक छोड़ने के पीछे निहित स्वार्थ और अदृश्य हाथ हैं। यह खेदजनक है कि बैयटरायणपुरा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कृष्ण बायरे गौड़ा, जो राजस्व मंत्री हैं, ने इस संबंध में कुछ किसान नेताओं द्वारा दिए गए याचिका पत्र पर हस्ताक्षर करने के अलावा कोई आवश्यक कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री का काम केवल पत्र जारी करना नहीं है, बल्कि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का नेतृत्व करना, संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाना, इस पर चर्चा करना और मेट्रो स्टेशन स्थापित करवाना उनका जिम्मेदार कर्तव्य है, लेकिन मंत्री ने ऐसा कुछ भी किए बिना ही पत्र जारी कर अपना पल्ला झाड़ लिया है।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने रविवार को मुनिश्री पुलकित कुमारजी व आदित्यकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में शपथ ग्रहण की। निवर्तमान अध्यक्षा रिजु डुंगरवाल ने वर्ष 2025-27 के नव मनोनीत अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा को शपथ दिलाई। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष लता गादिया, किरण गिलुंडिया मंत्री विजेता रायसोनी, सहमंत्री वीणा पोरवाल, विनीता मरोठी, कोषाध्यक्ष सीमा श्रीमाल, संगठन मंत्री प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आँचलिया को शपथ दिलवाई। इस मौके पर कर्नाटक राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव सहित अभातेमम की कार्यकारिणि सदस्या शशि नाहर, महासभा के सदस्य मूलचंद नाहर, अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, दिनेश पोकरना की गौरवमय उपस्थिति थी। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसालील, तेयुप के निवृत्तमान अध्यक्ष विमल धारीवाल, नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रसन्न धोका आदि ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन ज्योति संचेती ने किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने आयोजित किया 'स्वेट, स्माइल, सक्सीड' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा एक दिवसीय रिसोर्ट भ्रमण एवं एडवेंचर स्पोर्ट्स कार्यक्रम स्वेट, स्माइल, सक्सीड' का आयोजन विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में शामिल 100 सदस्याओं ने टीम बिल्डिंग गेम्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसे जिपलाइन, ट्रैकिंग, 360ओ साइक्लिगं, कयाकिंग, ह्यूमन फूसबॉल, रैपलिंग, आर्चरी, हाउज़ी सहित अनेक इनडोर एवं आउटडोर गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में फाउंडर चेयरपर्सन एवं मेंटर निशा सामर, संयोजिका अलका लोढ़ा, सह संयोजिका विमला मुणोत, नेहा भंडारी, स्वीटी नाहर, पुष्पा जैन, नीता गादिया, संगीता मुथा,सहमंत्री सुमन रांका आदि उपस्थित थीं।

चातुर्मास का काल आध्यात्मिक फसल निपजाने का समय : साध्वीश्री सोमयशा

तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वियों का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के तत्वावधान में रविवार को सुबह साध्वीश्री सोमयशाजी का चातुर्मास प्रवेश अभिनंदन रैली के साथ सभा भवन में हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री सोमयशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संत गुरुइंगित की आराधना करते हुए जब चातुर्मासिक क्षेत्र मे पहुँचते हैं तो गुरु निश्चित हो जाते हैं।उन्होंने भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष पर वचन को मधुर, मस्तिष्क को शांत और व्यवहार को उत्तम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी भीतर की अर्हताओं का विकास समय के सही नियोजन से होगा। साध्वीश्री ने कहा कि चातुर्मास का काल आध्यात्मिक फसल निपजाने(बोने) का समय होता है। साध्वी डॉ सरलयशाजी ने कहा कि लक्ष्य को हासिल करने के लिए संकल्पशील होना जरूरी है। संकल्प की शक्ति से प्रमाद रूपी राक्षस दूर होता है। चातुर्मास अपनी चाह को पूरी करने की राह दिखाता है। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने श्रावकों के उत्साह और खुशी को देखते हुए कहा कि चातुर्मास में इस उत्साह को कम नहीं होने देना है ।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। तेरापंथ भवन निर्माण संयोजक हीरालाल मालू कहा कि यशवंतपुर एक श्रद्धावान एवं साताकारी क्षेत्र है। ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा गीत की प्रस्तुति दी गई। महिला मंडल व कन्या मंडल द्वारा शब्द चित्र प्रस्तुत किया गया। लाडली मुथा ने तीनों साध्वियों का संक्षिप्त परिचय दिया, लता भंसाली एवं मीना दक ने साध्वीश्री के विहार यात्रा की जानकारी दी। उपासक महेन्द्र दक ने स्वरचित स्वागत गीत का संगान किया। इस मौके पर विजयनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, राजराजेश्वरीनगर से अध्यक्ष राकेश छाजेड़, राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, टीपीएफ वेस्ट जोन के अध्यक्ष ललित बेंगानी, दासरहल्ली महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा चावत, पूर्व मंत्री महावीर ओस्तवाल, महावीर गन्ना ने विचार व्यक्त किए। बाहर शहरों से आए श्रावक श्राविकाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। निवृत्तमान अध्यक्ष गौतम मुथा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मेवाड़ भवन, स्थानकवासी संघ, मंदिरमार्गी संघ के प्रतिनिधियों व चातुर्मास के मुख्य प्रायोजक बोराणा परिवार ने अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री अनिल दक ने किया तथा त्रिदिवसीय जप अनुष्ठान एवं रात्रिकालीन कार्यक्रम की जानकारी दी। उपाध्यक्ष कुंदन गन्ना ने धन्यवाद दिया। रैली संयोजक सुनील बाबेल ने रैली की व्यवस्था देखी। सभा से उपाध्यक्ष ताराचंद गन्ना, विजयराज बरड़िया, कोषाध्यक्ष निर्मल बाफना, संगठन मंत्री भेरुलाल मांडोत, सहमंत्री कमलेश दक, महिला मंडल से टीना पितलिया, परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेश डुंगरवा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जांगीड़ सुथार समाज ट्रस्ट की नवगठित कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जांगीड़ सुथार समाज ट्रस्ट कर्नाटक की नवगठित कार्यकारिणी समिति ने रविवार को समाज भवन में शपथ ग्रहण की।

शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष किरताराम छडिया, उपाध्यक्ष सज्जनराज किंजा, दिनेश बारू, महामंत्री पोलाराम बुढल, मंत्री बजरंगलाल किंजा, सचिव खींवराज मांकड़, सहसचिव आसुराम आसदेव, कोषाध्यक्ष कैलाशचंद भद्रेचा, उपकोषाध्यक्ष ईश्वरलाल सिंघल, मीडिया प्रभारी रामदेव धामू, संगठन मंत्री महेन्द्र बामणिया, व्यवस्थापक चैनाराम लुंजा व नवयुवक मंडल के अध्यक्ष किशोर कुमार गुगरिया ने शपथ ग्रहण की। साथ ही महिला मण्डल का प्रथम बार गठन हुआ जिसमें छोटीदेवी किंजा को अध्यक्ष व चन्द्रादेवी ने को उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई गई। उपस्थित जनों ने नई कमेटी को शुभकामनाएं दी।

जयनगर स्थानक में हुआ साध्वीश्री कंचनकंवर का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ जयनगर स्थानक में साध्वीश्री कंचनकंवरजी आदि साध्वियों का चातुर्मास प्रवेश हुआ। रविवार को रांका भवन जयनगर से चातुर्मास प्रवेश के लिए मंगल शोभा यात्रा प्रारंभ हुई। मंगल कलश लिए हुए संघ की महिलाओं की अगवानी के साथ महासती मंडल व श्रावक श्राविकाएं विभिन्न मार्गों से होते हुए जयनगर स्थानक भवन पहुंचे और मंगल प्रवेश किया। प्रवेश के बाद आयोजित धर्मसभा में संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने महासती मंडल का स्वागत करते हुए उपस्थित जनों से चातुर्मास काल में प्रवचन और सभी धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए निवेदन किया। महासती कंचनकंवरजी ने 10 जुलाई से प्रारंभ होने वाले चातुर्मास काल की महत्ता एवं चातुर्मास काल के कार्यक्रमों की जानकारी दी। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के संयोजक शांतिलाल बोहरा ने द्रव्य रूप से मंगल प्रवेश के साथ साथ आत्म गुणों से जुड़ने के लिए भाव मंगल का महत्व बताया। संघ मार्गदर्शक सुरेश गुलेच्छा ने गीतिका के माध्यम से महासतियों का स्वागत करते हुए दैनिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने चातुर्मास की रूपरेखा बताई तथा बाहर गांव से आए अतिथियों को धन्यवाद दिया। श्रीरामपुरम संघ के शांतिलाल खिंवसरा, गौतमचंद ओस्तवाल आदि अनेक संघ के सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

साधना के उच्चतम पद पर विराजमान है लोगस्स जप अनुष्ठान : साध्वीश्री पावनप्रभा

केजीएफ/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में लोगस्स जप अनुष्ठान गतिमान है। इस मौके पर साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि लोगस्स का एक ओर नाम है उक्कितणं। जो आज सर्वोत्तम व उच्चतम पद पर विराजमान है, चौबीस तीर्थंकर उसका संगान करते हैं। तीर्थंकर रूप, बल, कुल, जाति, ऐश्वर्य आदि में सर्वश्रेष्ठ, सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक चारित्र में विशिष्ट होते हैं। तीर्थंकर की स्तुति करने से भाषा का अधूरापन दूर होता है, अर्हता बढ़ती है, सम्यकत्व विशुद्ध हो जाता है। अगर कोई उपद्रव होता है तो लोगस्स की स्तुति करने से उपद्रव शांत हो जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि लोगस्स का नित्य प्रतिदिन जाप व माला फेरने से अपने भीतर के रसायन बदल जाते हैं। साध्वी श्री रम्यप्रभाजी ने तेरह चैतन्य केन्द्रों पर लोगस्स का जाप करवाया व मंत्र की उपयोगिता बताई।

'एकल मेला-2025' में दिखा ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा शनिवार को जेपी नगर स्थित एमएलआर कन्वेंशन सेंटर में एकल मेला-2025' का आयोजन किया गया। मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप और सहप्रायोजक गुरु पुनवानी बिल्डर व बगड़िया एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित इस प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक सर्कल की भारतीय डिफेंस अधिकारी दिव्या होसूर उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि दिव्या होसूर समेत मुख्य प्रायोजक मुरारीलाल सरावगी, साउथ जोन के चेयरमैन रमेश अग्रवाला, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, राष्ट्रीय महिला समिति की सहसंगठन मंत्री सरिता भंसाली, सहमंत्री रेनू कनोडिया, युवा समिति के अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़ आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। समिति की अध्यक्ष कांता काबरा ने सभी का स्वागत किया। सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया।

प्रदर्शनी में लगे 90 स्टालों पर कपड़े, आभूषण, साजसज्जा का सामान, राखी, पौष्टिक लड्डू, जूस, गौउत्पाद से सहित कई क्रिएटिव उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। बच्चों के लिए किड्स कॉर्नर विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। ग्राहकों ने मेले में खूब खरीददारी की। प्रदर्शनी की मुख्य संयोजिका

विजयलक्ष्मी सारड़ा, सुनीता गुप्ता, मोना आंचलिया, श्रद्धा दाधीच आदि महिला सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली। प्रदर्शनी से अर्जित आय का उपयोग ग्रामीण बच्चों की शिक्षा और उत्थान में किया जाएगा।

हिंदू नेता के मोबाइल फोन में अश्लील वीडियो मिले

मंगलूरु//दक्षिण भारत। मूडबिद्री पुलिस को हिंदू जागरण वेदिके के दक्षिण कन्नड़ जिले के सह-संयोजक समित राज धारेगुड्डे के मोबाइल फोन से कथित तौर पर 50 से अधिक अश्लील वीडियो क्लिप मिली हैं। धारेगुड्डे एक निजी बस पर पथराव से जुड़े मामले में वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं। जांच के दौरान पुलिस को डेटा नेता के उपकरण से मिला। पुलिस ने अदालत और वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति प्राप्त करने के बाद मंगलूरु की सीईएन लैब में फॉरेंसिक डेटा निकाला। इस प्रक्रिया के दौरान, अधिकारी कथित तौर पर वीडियो सामग्री देखकर चौंक गए।

डॉ. मुखर्जी का सपना मोदीजी ने साकार किया : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया है। यह प्रत्येक राष्ट्रवादी भारतीय के लिए गर्व की बात है, ऐसा भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने कहा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उन्होंने रविवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन एक संदेश है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों के कारण ही आज भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता साहसी और देश प्रथम की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है।

डॉ. मुखर्जी एक महान राष्ट्रीय नेता थे जिन्होंने देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक महानता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे, जिन्होंने हमारी पार्टी की वैचारिक नींव रखी। वे ही थे जिन्होंने देश की राजनीति में एक मजबूत राष्ट्रवादी विचारधारा वाले राजनीतिक परिवार की शुरुआत की। उन्होंने याद दिलाया कि वे एक बहादुर नेता थे, जो अनुच्छेद 370 के खिलाफ डटे रहे और उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। डॉ मुखर्जी नागरिक प्रशासन के समर्थक थे। उन्होंने कहा कि वे ही थे जिन्होंने इस भूमि के सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखा और तुष्टिकरण के खिलाफ बोला और सबसे बढ़कर, राष्ट्रीय हित के लिए आवाज उठाने का साहस किया।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और डॉ अंबेडकर पहली सरकार में मंत्री थे। अंबेडकर ने संविधान लिखते समय अनुच्छेद 370 को संविधान में शामिल नहीं किया था। उन्होंने नेहरू पर बाबा साहब को दूर रखने और अपनी जरूरतों और तुष्टिकरण के लिए संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करने का आरोप लगाया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 जोड़े जाने के दिन से ही इसके खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने इस देश के लिए लड़ते हुए अपना बलिदान दिया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्ल, सहकार्यदर्शी विश्वनाथ अनाजी और पार्टी नेता मौजूद थे।

संतों, लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छाएं होती हैं, इसे गलत नहीं कह सकते : डीके शिवकुमार

कनकपुरा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं, लोगों और संतों द्वारा कुछ चीजों की इच्छा करना गलत नहीं है और उन्होंने कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पार्टी लाइन का पालन करेंगे। कनकपुरा तालुक में कोडिहल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हमसे इस बारे में बात न करने को कहा है। अभी इस पर बात करना गलत होगा। हम सभी पार्टी की बात का पालन करते हैं।'

उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या ने कई बार यह कहा है, लेकिन विपक्ष और मीडिया इस मुद्दे को उठाता रहता है। अब इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है। लोगों ने हम पर भरोसा जताते हुए हमें चुना है और हम अपना वादा पूरा कर रहे हैं। रम्बापुरी के संत के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि समझौते के अनुसार उन्हें ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए, उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में खुलकर क्यों बोलूं। यह मेरे और मेरी पार्टी के बीच का मामला है।

मुख्यमंत्री जल्द ही इस्तीफा देंगे : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बहुत जल्द इस्तीफा देंगे। रविवार को भाजपा मैसूरु जिला कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सिद्दरामय्या को राष्ट्रीय ओबीसी बोर्ड का अध्यक्ष घोषित किया है, जिसका मतलब है कि शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना तय है।

कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री का इस्तीफा लेने की भूमिका पहले ही तैयार कर ली है और कहा है कि वह बेंगलूरु आकर विधायकों की राय लेंगे। उन्होंने यह भी विश्लेषण किया कि सिद्दरामय्या को अखिल भारतीय एआईसीसी पिछड़ा वर्ग के लिए राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिसका मतलब है कि सिद्दरामय्या का इस्तीफा पहले ही दिल्ली भेज दिया गया है। कांग्रेस पार्टी में प्रतिद्वंद्विता है। इसी का नतीजा है कि रामनगर विधायक डी.के. शिवकुमार को 100 विधायकों का समर्थन प्राप्त है और कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने साफ कह दिया है कि सिद्दरामय्या पर उनका भरोसा खत्म हो गया है। केवल बीआर पाटिल ने एक कदम आगे बढ़कर कहा कि सिद्दरामय्या लॉटरी वाले मुख्यमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में असली सच्चाई बताई है। रायरेड्डी को राज्य की आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत जानकारी है। सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या अपने आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी के माध्यम से राज्य के लोगों से कहते हैं कि सड़कें और विकास कार्य होने चाहिए, गारंटी छोड़ो। उन्होंने सवाल किया कि 2 साल की कांग्रेस सरकार के दौरान मैसूरु जिले के सांस्कृतिक शहर ने क्या योगदान दिया है। उन्होंने सिद्दरामय्या को चुनौती दी कि वे बताएं कि उनकी सरकार ने मैसूरु और चामराजनगर जिलों को कितने करोड़ रुपये का अनुदान दिया है।

नरेंद्र मोदी के साहसिक नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप भारत दुनिया की चौथी आर्थिक शक्ति बन गया है। मोदीजी ने मात्र 11 वर्षों में भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में भारत दुनिया की 11वीं आर्थिक शक्ति था।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि महान देशभक्त और वरिष्ठ नेता डॉ. मुखर्जी ने इस देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक महानता के लिए कहा था कि कश्मीर इस देश का अभिन्न अंग है। उन्होंने याद किया कि वे इस देश के लिए बलिदान देने वाले करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा थे। जब कांग्रेस की सरकार थी तो वे कहते थे कि अगर जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया गया तो देश में खून-खराबा हो जाएगा। हमारे वरिष्ठ डॉ. उन्होंने कहा कि आज मोदी जी के साहसिक नेतृत्व में अनुच्छेद 370 को हटाना जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने का काम है।

सिद्दरामय्या का नाम कांग्रेस की ओबीसी परामर्श परिषद के सदस्य के रूप में प्रस्तावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के ओबीसी विभाग ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को अपनी परामर्श परिषद के सदस्यों में से एक के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया है जिससे कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ गई है। सिद्दरामय्या ने हालांकि कहा कि उनका राष्ट्रीय राजनीति में जाने से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के इस कदम को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की संभावना के बारे में अटकलें हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के प्रमुख अनिल 'जयहिंद' द्वारा लिखे गए एक पत्र में परामर्श परिषद में 24 लोगों के नाम प्रस्तावित किए गए और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी मांगी गई। जयहिंद ने नौ जून को लिखे पत्र में कहा, ''मैं आपके विचार और अनुमोदन के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के लिए परामर्श परिषद के नामों का प्रस्ताव कर रहा हूं।'' इस पत्र को रविवार को ही सार्वजनिक किया गया।

सिद्दरामय्या के अलावा परिषद के लिए प्रस्तावित अन्य नामों में कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बी के हरिप्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और वीरप्पा मोइली शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि सिद्दरामय्या परिषद का नेतृत्व करेंगे। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि उन्हें इस कदम के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी और उन्हें खबरों के माध्यम से पता चला। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। मैंने भी इस बारे में अखबारों में पढ़ा है। आपने (मीडिया ने) इसकी खबर दी है। मैं आलाकमान से बात करूंगा।'' सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष ने उनसे कर्नाटक में एक बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया था, जो 15 जुलाई को निर्धारित है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यह जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे तो उन्होंने कहा, ''क्या मुझे जिम्मेदारी मिलने पर भाग जाना चाहिए? मैंने यह भूमिका नहीं मांगी थी और मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पार्टी आलाकमान ने इसकी घोषणा की है। मैं उनसे बात करूंगा।'' सिद्दरामय्या ने और स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस नियुक्ति का उनके राष्ट्रीय राजनीति में जाने से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे कोई जानकारी नहीं है। सबसे पहले, यह पद क्या है? विभिन्न समाचार पत्रों ने अलग-अलग पदनामों का इस्तेमाल किया है।''

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, मुझे लगता है कि इरादा सिद्दरामय्या को राष्ट्रीय राजनीति में शामिल करने और उनसे मुख्यमंत्री का पद खाली कराने का है। यह घटनाक्रम अचानक हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री के पास ऐसी भूमिका निभाने का समय नहीं होता। हुब्बल्ली में उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि यह उनके लिए संकेत है कि ढाई साल का कार्यकाल खत्म हो चुका है और उन्हें कुर्सी छोड़ देनी चाहिए।''

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि देश में ओबीसी की संख्या बड़ी और विविध है। उन्होंने कनकपुरा तालुका के बिज्राहल्ली में संवाददाताओं से कहा, वोक्कालिगा और लिंगायत राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी हैं। पिछड़े समुदायों को सामने लाने के लिए ओबीसी परामर्श परिषद की बैठक आयोजित की जा रही है। भाजपा की इस आलोचना पर कि यह प्रस्ताव सिद्दरामय्या को राष्ट्रीय राजनीति में लाने की दिशा में एक कदम है, शिवकुमार ने कहा, पार्टी में अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों और अन्य लोगों के लिए कई शाखाएं हैं। जैन और सिख भी अल्पसंख्यकों में शामिल हैं। अगर भाजपा इनकी आलोचना नहीं कर रही है, तो उन्हें संतुष्ट होना चाहिए। आलोचनाएं खत्म हो जाती हैं, काम बाकी रहता है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस बात को खारिज कर दिया कि सिद्दरामय्या राष्ट्रीय राजनीति में जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि सिद्दरामय्या का नाम पिछड़ा वर्ग परामर्श परिषद के लिए प्रस्तावित किया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'चूंकि वह इस क्षेत्र के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं, इसलिए यह जिम्मेदारी उन्हें दी गई।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक के कई नेताओं ने पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर इसी तरह की जिम्मेदारियां संभाली हैं।

बेंगलूरु में रविवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से विधान सौधा के पश्चिमी गेट के निकट स्थित राष्ट्रीय नेता एवं हरित क्रांति के अग्रदूत भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री डॉ. द्वितीय बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

डीके शिवकुमार उच्च पद के हकदार हैं : संत रम्बापुरी

डी के शिवकुमार से मुख्यमंत्री बनने तक केपीसीसी अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए कहना वरिष्ठ नेताओं का बहुत सैद्धांतिक ष्टिकोण नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर वे अपने वादे पर कायम रहे तो वे ऐसा करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए रम्बापुरी संत श्री राजदेशिकेंद्र शिवाचार्य ने रविवार को कहा कि पिछले चुनावों के बाद वे उच्च पद के हकदार थे। कनकपुरा तालुक में सिद्धेश्वरस्वामी पहाड़ियों पर सीढ़ियों के उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, पिछले चुनावों के बाद उन्हें उच्च पद मिलना चाहिए था। आने वाले दिनों में उन्हें उच्च पद मिले।

कर्नाटक के लोग राज्य में पार्टी के लिए व्यापक बहुमत हासिल करने में उनकी कड़ी मेहनत से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सहमति केवल उन्हें ही पता है। राजनीतिक नेताओं का सम्मान तभी होगा जब वे राष्ट्रीय नेताओं के सामने अपनी व्यवस्था का सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि कांग्रेस के कई नेता राज्य में नेतृत्व के बारे में बात कर रहे हैं। अगर राष्ट्रीय नेता स्थिति स्पष्ट कर दें, तो इससे लोगों के लिए यह मुद्दा सुलझ जाएगा और डी के शिवकुमार भी संतुष्ट हो जाएंगे।

डी के शिवकुमार से मुख्यमंत्री बनने तक केपीसीसी अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए कहना वरिष्ठ नेताओं का बहुत सैद्धांतिक दृष्टिकोण नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर वे अपने वादे पर कायम रहे तो वे ऐसा करेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय नेता स्थिति स्पष्ट करें, अन्य नेताओं द्वारा इस बारे में बयानबाजी करने का कोई मतलब नहीं है। लोगों को राजनीति में अपनी बात रखनी चाहिए। हम सभी ने देखा है कि भाजपा के साथ अतीत में क्या हुआ।

उन्होंने कहा, जब पिछले चुनाव के बाद उन्हें वह नहीं मिला जिसके वे हकदार थे, तो डी के शिवकुमार ने विनम्रतापूर्वक उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार कर लिया और अच्छा काम कर रहे हैं। राज्य और केंद्र में कांग्रेस के नेताओं को समझौते के अनुसार उन्हें अवसर देना चाहिए। तभी उनकी कड़ी मेहनत और पार्टी के लिए योगदान सार्थक होगा।

वह राज्य के लोगों के कल्याण के लिए काम करें। उन्होंने कहा, कांग्रेस के विधायक खुद कह रहे हैं कि राज्य में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। मैं गारंटी योजनाओं के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन विकास प्रभावित नहीं होना चाहिए। पूरे राज्य में लोग यही राय व्यक्त कर रहे हैं। कुछ राजनेता हैं जो जातियों और धर्मों के बीच दरार पैदा कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि डीके शिवकुमार जैसे नेता ऐसी चीजों पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

शिवमोग्गा में भगवान गणेश सहित अन्य देवताओं की मूर्ति खंडित किये जाने से फैला तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक में शिवमोगा के बंगरप्पा लेआउट इलाके में रविवार को उस समय तनाव फैल गया जब अज्ञात बदमाशों ने भगवान गणेश और नाग देवता की मूर्तियों को कथित तौर पर खंडित कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यह भी बताया कि नाग देवता की मूर्ति सड़क किनारे नाले में पड़ी पाई गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना शिवमोगा के शांतिनगर वार्ड में हुई, जहां हाल ही में बंगरप्पा लेआउट की मुख्य सड़क पर मूर्तियां स्थापित की गई थी। इलाके के निवासियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और देवताओं के कथित अपमान पर गुस्सा जताया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय समुदाय से चर्चा की। अधिकारियों ने निवासियों को बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और पुलिस जांच जारी है।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि शिवमोग्गा में शरारती हरकतों में थोड़े समय के विराम के बाद हिंदू विरोधी तत्वों ने एक बार फिर अपनी हरकतें शुरू कर दी हैं। शिवमोग्गा जिले के शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र ने कहा, ''रग्गीगुड्डा में बदमाशों ने भगवान गणेश और शेषनाग की मूर्तियों को खंडित किया।'' उन्होंने यह भी कहा कि मूर्ति को नाले में फेंक दिया गया।

विजयेंद्र ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''हिंदू संगठनों को बुरी नजर से देखने वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार हमेशा हिंदू विरोधी ताकतों की कट्टर समर्थक बनकर खड़ी रही है। शिवमोगा जिले में बदमाशों की ज्यादतियां चरम सीमा पर पहुंच गई हैं।'' भाजपा नेता ने चेतावनी देते हुए कहा, अगर सरकार इन दुष्ट तत्वों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई नहीं करती तो जो परिणाम होगा उसकी जिम्मेदार वह खुद होगी।

मैं शोषित वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने समाज के सदस्यों से विचारधारा और वैज्ञानिकता विकसित करने तथा शिक्षा से वंचित हुए बिना स्वाभिमानी बनकर जीने का आह्वान किया। वे रविवार को तावरेकेरे के निकट केतोहल्ली में ब्रह्मलीन जगद्गुरु श्री बीरेंद्र केशदा तारकानंदपुरी महास्वामी की पवित्र सेवा के 19वें वर्ष के उपलक्ष्य में कागिनेले महासंस्थान कनकगुरुपीठ तथा शाखा कार्यालय और बेंगलूरु भक्त गोदाम कुटीर को जनता को समर्पित करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कागिनेले गुरुपीठ के शाखा कार्यालय के भक्त गोदाम कुटीर का उद्घाटन करते हुए उन्हें खुशी हो रही है। शाखा कार्यालय के निर्माण के लिए कागिनेले गुरुपीठ के स्वामियों ने कड़ी मेहनत की है। यह सराहनीय है कि महेश ने 10 करोड़ रुपये की एक एकड़ जमीन दी है। मुख्यमंत्री ने सभी की ओर से उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कागिनेले गुरुपीठ के निरंजनानंद स्वामीजी की किसी भी इमारत का निर्माण बहुत तेजी से करने के लिए प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने भक्तों से दान एकत्र करके केवल दो वर्षों में ऐसा किया है। मंत्री सुरेश ने 50 लाख रुपये का दान दिया और मुख्यमंत्री ने इस काम के लिए दान करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। सभी ने कुटीर के निर्माण में मदद की है। लगभग 4 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि अन्य लोगों ने दान दिया। मठ का विकास होना चाहिए। अगर इसे बढ़ना है, तो इसे लोगों से बढ़ना होगा। अगर मठवासी समुदाय बढ़ना चाहता है, तो यह लोगों से ही बढ़ सकता है।

धन्यवाद

रविवार को सदाशिवनगर में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को उनके निवास पर कोमुल के नए अध्यक्ष चुने जाने वाले मालूर विधायक केवाई नंनजेगौड़ा ने मिलकर उनका धन्यवाद दिया और चर्चा की। उनके साथ एमएलसी अनिल कुमार भी थे।

अलवर में मोहर्रम जुलूस के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट

अलवर। राजस्थान में अलवर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में रविवार को मोहर्रम जुलूस के दौरान एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रदीप कुमार अपने निजी वाहन से मौके से गुजर रहा था। इसी दौरान जुलूस में शामिल युवाओं ने उसकी गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ करने के बाद उसे बाहर निकालकर उसके साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और प्रदीप को इलाज के लिए अलवर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटनास्थल के आसपास क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच पड़ताल की जा रही है। घायल पुलिस कर्मी के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कार और पिकअप से टक्कर, चार लोगों की मौत

बारां।राजस्थान में बारां जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को देर रात एक कार और पिकअप के बीच टक्कर होने से चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस उप अधीक्षक ओमेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को बताया कि देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर गजनपुरा, पैनोरमा के पास लखनऊ से राजस्थान में कोटा जा रही कार एक गड्ढे से बचने के प्रयास में कार अनियंत्रत होकर आगे जा रही एक पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से चारों लोगों को निकाला। इनमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी, जबकि एक युवती ने कोटा में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शेखावत ने बताया कि मृतकों की पहचान नमन चतुर्वेदी (25), दिल्ली के राहुल प्रकाश (30), गोरखपुर की अंशिका मिश्रा (25) और लखनऊ की जय शर्मा (25) के रूप में हुई है।

बारिश के कारण छत ढही बच्चे की मौत

जयपुर।राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारी बारिश के कारण छत ढहने की दो घटनाओं में पांच वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छत ढहने की ये घटनाएं शनिवार रात हुईं। राजस्थान में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की से भारी बारिश हुई। सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 214 मिमी बारिश सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में दर्ज की गई। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया।

राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति में कोताही बर्दाश्त नहीं : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शास्ति प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे आवश्यकतानुसार सुसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खनन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रेशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विभागीय कार्मिक अपनी जिम्मेदारी का समर्पण भाव से निर्वहन करें तथा राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता अभिवृद्धि के क्रम में खनन विभाग की रिस्ट्रक्चरिंग करने और लंबे समय से विभाग में पदस्थापित कार्मिकों को स्थानांतरित के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया।

जानबूझकर छात्रा को फैल करने वाली व्याख्याता को निलंबित करने के निर्देश

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा जिले के मोड़क गांव की एक छात्रा की शिकायत पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोड़क की भौतिक विज्ञान की व्याख्याता सविता मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। दिलावर ने रविवार को मोड़क गांव की सोसाइटी गली में आयोजित मोहल्ला बैठक के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में स्थानीय निवासी एवं विद्यालय की 11वीं की छात्रा आयुषी कुमावत ने मदन दिलावर को शिकायत दी कि उनके विद्यालय में पुस्तकालय में पुस्तकों को लेकर उसके चाचा सुनील कुमावत और कक्षा शिक्षिका सविता मीणा के मध्य कुछ विवाद हो गया था।

इस विवाद के चलते बदला लेने की नीयत से शिक्षिका ने उसे कक्षा 11वीं की वार्षिक परीक्षा में जानबूझकर फेल कर दिया। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि इसकी शिकायत करने पर दोबारा जांच कराई गई तो सप्लीमेंट्री दी गई और 70.40 प्रतिशत अंक बनने के बावजूद उसे अनुत्तीर्ण दर्शाया गया जबकि उससे कमजोर विद्यार्थियों को पास कर दिया गया। इस पर शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी करने पर पता चला कि इस शिक्षिका के खिलाफ विद्यालय में अनेक शिकायतें हैं। जिसके चलते इसे पूर्व में एपीओ कर रखा है। परंतु यह कोर्ट से स्टे ले आई है।

दिलावर ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली और उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वाली इस शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन किया समर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के प्रथम उद्योग मंत्री एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में डा मुखर्जी के अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी डा मुखर्जी एक विचारक ही नहीं बल्कि महान कर्मयोगी थे।

उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि डा मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है।

उनके आदर्श और सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

जनसुनवाई केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है, जिसमें नागरिकों की भागीदारी और विश्वास सर्वोपरि है। जनसुनवाई का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाना है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का हरसंभव प्रयास है कि किसी भी व्यक्ति को प्रशासनिक जटिलताओं के कारण अनावश्यक परेशान न होना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं का समाधान शीघ्र, पारदर्शी और संतोषजनक तरीके से करें। राजकीय विद्यालय लुणावास चारणान के उच्च प्राथमिक विद्यालय का उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नयन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि अब हमारे गांव के बच्चों को उच्च अध्ययन के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा।

पटेल ने जनसुनवाई में राजस्व, शिक्षा, पंचायतीराज, डिस्कॉम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग,जोधपुर विकास प्राधिकरण और जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों पर सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन टला, पुलिस ने रोका जुलूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा में रविवार को अवैध धर्मांतरण के आरोपों के खिलाफ हिंदू समाज द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी, जिससे तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। चाणक्य छात्रावास से मिशनरी चर्च, गणेशपुरा की ओर निकाले जा रहे जुलूस को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। इस कदम के खिलाफ लोगों ने पुलिस प्रशासन के रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए ज़ोरदार नारेबाज़ी की। पुलिस बल की अगुवाई डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा और कोतवाल सुधीर कुमार उपाध्याय कर रहे थे। वे जुलूस शुरू होने से पहले ही भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गणेशपुरा स्थित मिशनरी चर्च में लंबे समय से प्रार्थना के बहाने हिंदू समुदाय के भोले-भाले लोगों को बहकाकर उनका जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। बीते रविवार को भी ऐसी ही एक घटना के विरोध में चर्च परिसर के बाहर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया था, जिसमें कथित रूप से पादरियों और चर्च के अन्य लोगों द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की गई थी। हालांकि पुलिस ने तत्काल पहुंचकर स्थिति को शांत कर दिया था।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, उलटे जब समाज ने आज शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का प्रयास किया, तो उसे रोक दिया गया। उनका यह भी कहना था कि यह घटना एकतरफा प्रशासनिक रवैये को दर्शाती है, जो न्याय की उम्मीद लगाए बैठे आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है।

जुलूस में शामिल होने पहुंचे कई संत, धर्मगुरु और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराज़गी जताई।महामंडलेश्वर संतोष शास्त्री ने कहा, हम शांतिपूर्वक विरोध करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने हमें रोक दिया। क्या अब लोकतंत्र में विरोध की भी अनुमति नहीं है? पंडित राधेश्याम शर्मा ने सवाल उठाया कि अगर चर्च में धर्मांतरण हो रहा है, तो प्रशासन क्यों चुप है?मनोज राघव और सुशील शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जानबूझकर दबाव बनाकर हमें रोका, ताकि सच्चाई सामने न आ सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्वानुमति नहीं ली गई थी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जुलूस को रोका गया।

ट्रक ने दो सब्जी विक्रेताओं को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर दो सब्जी विक्रेताओं की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात हुई, जब दोनों विक्रेता सब्जियों की एक खेप लेकर जा रहे थे और उनके वाहन का टायर पंचर हो जाने के कारण वे सड़क किनारे रुके थे। इसी दौरान आगरा की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। लखनपुर थाना क्षेत्र के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) राम सहाय ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के किरावली निवासी विष्णु कुमार और राजन सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि विष्णु कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजन सिंह को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को पुनः प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए कृत संकल्पित है। विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुंचे, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाइल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्यों के शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है। विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था।

इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस व्यवस्था में सुधार के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है।

आमजन का विश्वास सुदृढ़ करने के लिए सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता के हो रहे प्रयास : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि सहकारिता के महत्व को समझते हुए उन्होंने 6 जुलाई, 2021 को सहकारिता मंत्रालय का गठन किया, जो देश में सहकारी आन्दोलन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। मंत्रालय के गठन के बाद विगत वर्षों में देश-प्रदेश में सहकारिता का महत्व काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत करने के लिए हमें पैक्स स्तर तक संचालक मंडल को मजबूती प्रदान करनी होगी।

दक रविवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह सहकारिता का दायरा बढ़ाकर प्रत्येक आम आदमी को इससे जोड़ना चाहते हैं। मंत्रालय द्वारा 'सहकार से समृद्धि' योजना के अंतर्गत 61 पहलें क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनसे सहकारी क्षेत्र निरन्तर सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सहायता में कोई कमी नहीं रखी जा रही है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमें और अधिक प्रयास करते हुए सहकारिता का दायरा बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसके अंतर्गत केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा नई शाखाएं खोलने के साथ ही अकृषि ऋण वितरित करने की शुरूआत की जा सकती है। विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के तहत अधिक से अधिक गोदामों का निर्माण कर उन्हें किराये पर दिया जा सकता है।

एनसीसीएफ, नैफेड और एफसीआई जैसी संस्थाएं इन गोदामों को किराये पर लेने के लिए तत्पर हैं। दक ने सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणी सदस्यों के लिए एकमुश्त समझौता योजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को पुनर्जीवित करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि योजना को लेकर उत्साह का माहौल है और अब तक लगभग 250 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है।

दक ने कहा कि नवीन पैक्स के गठन के मामले में राज्य देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में 300 पैक्स के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 850 यानि लगभग तीन गुना पैक्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष रही सभी ग्राम पंचायतों में 2 वर्ष में नवीन पैक्स गठित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन इसे एक वर्ष में ही पूरा करने के प्रयास किए जाएं। प्रत्येक पैक्स द्वारा न्यूनतम 5 एक्टिविटी आवश्यक रूप से संचालित की जाए। उन्होंने घाटे में चल रही कुछ प्रतिष्ठित सहकारी संस्थाओं को इससे उबारने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस संबंध में हमें आत्म विश्लेषण करने की जरूरत है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि लोगों का विश्वास सहकारी संस्थाओं पर और अधिक सुदृढ़ हो, इसके लिए उनमें पारदर्शिता लाए जाने तथा खामियों को दूर किए जाने की आवश्यकता है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। सहकारी समितियों की आमसभा आवश्यक रूप से सम्पन्न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी माह से प्रत्येक जिले का दौरा कर पैक्स के संचालक मंडल के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार रत्न-आभूषण उद्योग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के रत्न-आभूषण उद्योग को हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अभिन्न अंग बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार इसे हरसंभव सहायता और प्रोत्साहन प्रदान कर सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा शनिवार रात सीतापुरा स्थित जेईसीसी में ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर द्वारा आयोजित ज्वैलर्स एसोसिएशन शो-2025 के दूसरे दिन ज्वैलरी एमिनेंस अवार्ड्स समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर की कुंदन और मीनाकारी कला दुनियाभर में अपनी धाक जमा रही है।

विश्व में पाए जाने वाले ज्यादातर रंगीन रत्नों का व्यापार जयपुर से होकर ही गुजरता है। इसलिए हम जयपुर को 'विश्व की रत्न राजधानी' की उपाधि दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर विश्व के सबसे बड़े रत्न बाजारों में से एक है। यहां के कारीगर रत्नों को तराशने और उनकी गुणवत्ता को विश्वस्तरीय बनाने में माहिर हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को इस क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले जा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि रत्न एवं आभूषण उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए, जिससे इस क्षेत्र का और अधिक विस्तार होगा और हमारी माताएं-बहनें आत्मनिर्भर बन सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश हरेक क्षेत्र में तेज गति से विकास कर रहा है और इस शो के माध्यम से देश का ज्वैलरी क्षेत्र भी देश के विकास के साथ कदम ताल मिला रहा है।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने इस वर्ष जेएएस में भाग लेने वाले 60 प्रदर्शकों को अनुदान स्वीकृत किया है, जो केंद्र सरकार के इस उद्योग के प्रति विश्वास और समर्थन का प्रतीक है।

वोटों में कंजूसी के बावजूद

भाजपा सरकार ने मुस्लिमों के विकास में कमी नहीं की : नकवी

प्रयागराज/भाषा। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कहा कि मोदी-योगी या किसी भी राज्य की भाजपा सरकार ने मुसलमानों के विकास में कमी नहीं की, भले पार्टी को वोट देने में कंजूसी की गई हो। यहां भदारी गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुहर्रम कार्यक्रम में शामिल होने आए नकवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अब हमें (मुस्लिमों) भाजपा से राजनीतिक दूरी को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा, भाजपा मुल्क की हकीकत है। इसे नजरअंदाज करना मुल्क और मुसलमानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। भाजपा के प्रति पैदा किए गए भय-भ्रम के गटर पर भरोसे का शटर लगाना होगा। नकवी ने कहा कि आजादी के बाद पहली गैर-कांग्रेस सरकार है जो एक परिवार के सहारे और कांग्रेस के रिमोट के बगैर सुशासन, सफलता के कीर्तिमान स्थापित करती हुई काम कर रही है।

बंगाल में भी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराए निर्वाचन आयोगः शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का रविवार को स्वागत करते हुए कहा कि इसी तरह की कवायद तृणमूल कांग्रेस शासित इस राज्य में भी की जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने बिहार में अयोग्य नामों को हटाने तथा सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने और उन्हें मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर प्रदान करने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

अधिकारी ने बताया, ''यह एक अच्छा कदम है और इससे पारदर्शिता आएगी। देश में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने वाले अवैध प्रवासियों की पहचान की जानी चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा, ''जिन लोगों ने फर्जी आधार कार्ड और पहचान पत्र के जरिए नामांकन कराया है, उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाने चाहिए।'' निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा था कि बिहार के 7.96 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 87 प्रतिशत को राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए आधे भरे हुए गणना फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। अधिकारी ने पहले भी कई मौकों पर आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों ने बंगाल की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने ऐसे घुसपैठियों की पहचान करने तथा मतदाता सूची से उनके नाम हटाने की मांग की थी।

घरों में दूध पहुंचाने से पहले थूकने का आरोपी पुलिस हिरासत में

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विभिन्न इलाकों में घरों में दूध पहुंचाने से पहले उसमें कथित तौर पर थूकने के आरोपी दूधिया को रविवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान मोहम्मद शरीफ उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो लखनऊ के मल्हौर का निवासी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार शरीफ कई सालों से इलाके के कई घरों में दूध पहुंचा रहा था।

शरीफ का यह कथित कृत्य तब प्रकाश में आया जब गोमती नगर के विनय खंड निवासी लव शुक्ला ने शनिवार सुबह सीसीटीवी फुटेज देखी और पाया कि शरीफ दूध पहुंचाने से पहले उसमें थूक रहा था। शुक्ला ने तुरंत गोमती नगर थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) बृजेश तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया ,''आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। उससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। आगे की कार्रवाई जारी है।''

यह घटना पिछले साल हुई ऐसी ही घटनाओं से मेल खाती है, जिसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सितंबर में निर्देश जारी किए थे।

भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के बाद अपने संबोधन में कहा कि मुखर्जी एक प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान शिक्षाविद थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने दावा किया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में बनी देश की पहली सरकार में खाद्य एवं उद्योग मंत्री रहे मुखर्जी ने नेहरू सरकार की तुष्टीकरण के नीति के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी ने कहा कि जब नेहरू सरकार ने संविधान में कश्मीर को अनुच्छेद 370 के जरिये अलग दर्जा देने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सबसे पहले मुखर्जी ने ही आवाज उठाई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुखर्जी ने उस समय एक देश में 'दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करके कश्मीर को भारत के संविधान के अनुरूप शेष भारत के साथ जोड़ते हुए 'एक विधान, एक प्रधान और एक निशान' के साथ देश लोकतांत्रिक धारा के साथ जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जम्मू-कश्मीर तेजी के साथ विकास कर रहा है और यह डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्पों की विजय है।

उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, जिससे न केवल उसका (गोवंश मवेशियों का) संरक्षण होगा, बल्कि गो आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत किसानों को एक से चार तक गोवंश मवेशी सौंपे जाएंगे, जिनके माध्यम से वे आत्मनिर्भर बनेंगे। इस योजना के तहत जिन किसानों को गोवंश मवेशी मिलेगा, उनके आवासीय परिसर में ही मनरेगा के अंतर्गत व्यक्तिगत कैटल शेड (एक ऐसा स्थान विशेषकर गाय, भैंस आदि के लिए उपयोगी) बनाए जाएंगे। इससे किसानों को अपने पशुओं के रखरखाव के लिए अलग से स्थान उपलब्ध होगा। साथ ही, छोटी बायोगैस इकाई भी लगाई जाएंगी।

बयान के मुताबिक गो सेवा के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस नई पहल से बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ होगा और राज्य की अर्थव्यवस्था भी रफ्तार पकड़ेगी।

जब जनता का विरोध सामने आता है तो भाजपा पीछे हट जाती है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भाजपा पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए बिहार के लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य के मतदाता ''लोकतंत्र और संविधान पर हमले'' के लिए भाजपा को सबक जरूर सिखाएंगे।

खरगे ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एक नये विज्ञापन का हवाला दिया, जिसमें बिहार के मतदाताओं से एसआईआर के तहत केवल एक फॉर्म भरने का आग्रह किया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि ''जब जनता का विरोध सामने आता है, तो भाजपा बड़ी चालाकी से कदम पीछे खींच लेती है''। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''निर्वाचन आयोग के सहयोग से भाजपा ने बिहार में करोड़ों लोगों के मतदान का अधिकार छीनने का जो 'मास्टर प्लॉन' बनाया था, उसमें अब भाजपा खुद फंसती नजर आ रही है।'' उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा, ''जो लोग चुनाव में लगातार मतदान करते रहे हैं, उनसे मतदान के लिए दस्तावेज दिखाने को क्यों कहा जा रहा है?''खरगे ने आरोप लगाया, ''गरीब, कमजोर, वंचित, दलित, पीड़ित, पिछड़े लोगों का जबरन मताधिकार छीनना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का षड्यंत्र है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि एसआईआर के कारण लगभग आठ करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत : स्वामी रामदेव

हरिद्वार/भाषा। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खान-पान की दुकानों पर अपना नाम प्रदर्शित किये जाने का समर्थन करते हुए योग गुरु बाबा स्वामी रामदेव ने रविवार को कहा कि पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत है।

रामदेव ने यहां कहा कि उन्हें अपने हिंदू और सनातनी होने पर गर्व है, ठीक उसी तरह मुसलमानों को भी अपने मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने पूछा, ''आखिर क्या वजह है कि मुसलमान नाम छिपाकर कांवड़ यात्रा में व्यवसाय कर रहे हैं। पहचान छिपाना नैतिक और धार्मिक, हर दृष्टि से गलत है।'' रामदेव ने कहा कि यह तो ग्राहक को तय करना है कि वह किसकी दुकान पर जाएं ।

उन्होंने कहा,''मुझे जैसे हिन्दू और सनातनी होने पर गर्व है उसी तरह से मुसलमानों को भी मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए।'' रामदेव ने कहा कि उनके (मुसलमानों के) भी पूर्वज हिंदू थे । महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों के साथ मारपीट किये जाने को योग गुरु ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रभाषा के साथ मराठी एवं अन्य भाषाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन भाषा, जाति, वर्ग संप्रदाय एवं लिंग के आधार पर हिंदुओं को आपस में नहीं लड़ना चाहिए । उन्होंने कहा, ''इससे सनातन, राष्ट्रीय अखंडता और एकता को क्षति पहुंचती है। हम सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए।''

गडकरी ने मौजूदा परिदृश्य में 'विश्व युद्ध' का खतरा जताया

महाशक्तियों की तानाशाही की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यहां 'बियॉन्ड बॉर्डर्स' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है। युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति मानवता की रक्षा करना भी कठिन बना रही है। गडकरी ने कहा, ''इजराइल और ईरान के साथ-साथ रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। स्थिति ऐसी है कि इन दो युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध होने की आशंका है।'' गडकरी ने कहा कि उन्नत तकनीक के कारण युद्ध के आयाम बदल गए हैं, मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे टैंक और अन्य प्रकार के विमानों की प्रासंगिकता कम हो रही है।

शारीरिक अभ्यास करते समय 'जिम ट्रेनर' ने की छात्रा के साथ छेड़छाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। ग्रेटर नोएडा में बिसरख कोतवाली क्षेत्र की चेरी काउंटी सोसाइटी में शनिवार को 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ करने पर एक 'जिम ट्रेनर' को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी (सेंट्रल नोएडा) दीक्षा सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट चेरी काउंटी सोसाइटी के क्लब हाउस में शनिवार सुबह 11वीं कक्षा की एक छात्रा जिम में शारीरिक अभ्यास करने गई थी तथा 'जिम ट्रेनर' ने उसके साथ छेड़छाड़ की।

उन्होंने बताया कि छात्रा ने घर पर परिजनों को इस घटना के बारे में बताया जिसके बाद उसके पिता ने बिसरख कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी।

सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी (सेंट्रल नोएडा) दीक्षा सिंह सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है तथा पुलिस ने 'जिम ट्रेनर' को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मौसम की मार से ईंट भट्टा मजदूरों की आजीविका प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/बुलंदशहर/भाषा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ईंट भट्ठा मजदूर इस बार मौसम की मार से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

ननौ गांव की रामवती ने बताया कि उन्होंने और उनके पति ने दो दिनों में लगभग 1,600 ईंटें बनाई थीं, लेकिन अचानक हुई हल्की बारिश ने उनकी मेहनत को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, बस एक बार बारिश हुई और पूरा हफ्ते का काम खत्म! मार्च से जून तक का मौसम ईंट भट्ठों पर काम करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस दौरान तेज धूप में ईंटें अच्छी तरह सूखती हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से बारिश और ओलावृष्टि ने इस मौसम को भी बिगाड़ दिया है। बुलंदशहर के भट्ठा सुपरवाइजर रमेश सिंह के अनुसार, मई और जून में मुश्किल से 15-20 दिन ही तेज धूप निकली।

बिहार, छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए हजारों प्रवासी मजदूर इस उद्योग के मुख्य श्रमिक हैं। बिहार के मधुबनी के रहने वाले भट्ठा मजदूर सरोज ने कहा, हम तीन दिन से लगातार काम कर रहे थे, तभी बारिश आ गई। सारी मेहनत पानी में बह गई। अब भट्ठा मालिक से चावल उधार लेना पड़ रहा है। हम मजदूरी करके चुका देंगे, लेकिन इससे घर भेजने के लिए कम पैसा बचेगा। मजदूर अधिकार मंच के महासचिव रमेश श्रीवास्तव ने बताया, जब बारिश हो जाती है, तो गीली ज़मीन पर काम नहीं किया जा सकता। मिट्टी को फिर से काम करने लायक बनने में कम से कम चार दिन लगते हैं। इसका असर करीब एक हफ्ते तक रहता है।

मजदूरों को प्रति 1,000 ईंटों पर लगभग 676 रुपए मिलते हैं, लेकिन असलियत में कई बार उन्हें इससे भी कम भुगतान किया जाता है।

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन समिति के संयोजक निर्मल गोरणा ने कहा, अक्सर मजदूरों को 500 रुपए या उससे भी कम दिया जाता है। अगर बारिश से ईंटें खराब हो जाएं, तो मजदूरों को कोई भुगतान नहीं मिलता।

बिहार में राजग के शासनकाल में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी हैः तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है औरपिछले कुछ दशकों में राज्य में '65,000 हत्याएं' हुई हैं।

कथित तौर पर भाजपा से जुड़े खेमका की शुक्रवार रात 11:40 बजे गांधी मैदान इलाके में अपने घर के बाहर कार से उतरते समय एक अज्ञात हथियारबंद हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। तेजस्वी ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, बिहार की ध्वस्त कानून व्यवस्था व बेलगाम भ्रष्टाचार पर भी अगर किसी को गुस्सा नहीं आ रहा तो समझो उस इंसान का न्यायिक चरित्र एवं मानवीय संवेदना मर चुकी है। आपका जात-धर्म के नाम पर सरकार की विफलताओं एवं जनभावनाओं को नजरअंदाज करना बिहार और बिहारियों के लिए घातक है। राजग के शासन में अब तक 65,000 हत्याएं हो चुकी है फिर भी मंगलराज है।

शुभमन गिल की बल्लेबाजी में विराट कोहली की झलक : ट्रॉट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट खुद को भाग्यशाली मानते है कि उन्हें एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाते हुए देखने का मौका मिला। उन्हे गिल की इन पारियों में भारतीय दिग्गज विराट कोहली की झलक दिखी।

गिल ने भारत की दोनों पारियों में 269 और 161 रन बनाए। वह टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में इंग्लैंड के कप्तान ग्राहम गूच के बाद दूसरे स्थान पर है। गिल ने दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाये हैं।

ट्रॉट ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, '' उसने आज साबित किया कि वह कितना पूर्ण बल्लेबाज है। इसने मुझे उनसे पहले नंबर चार पर बल्लेबाजी करने वाली भारतीय की याद दिला दी। गिल उस प्रतिभा की 'कार्बन कॉपी' दिखे। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने इस दौरे पर अपने पहले दो टेस्ट मैचों की इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना की होगी। वह बेशक हेडिंग्ले में जीतना पसंद करते, लेकिन अब उन्होंने यहां एक शानदार जीत की नींव रख दी है।''

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के इस मौजूदा कोच ने कहा, ''मैं यहां मौजूद रहने और इस पारी को देखने को लेकर खुद का भाग्यशाली समझता हूं। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई भी मौका नहीं दिया। उन्होंने जिस से अपनी पारी को गति दी और बिना आड़े-तिरछे शॉट खेले मनमुताबिक छक्के जड़े वह काफी खास था।''

मुझे शुभमन गिल से काफी प्रेरणा मिली : वैभव सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं।

सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, ''मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।'' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, ''मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।'' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।''

सुविचार

राधा का प्रेम तो जैसे नदी की बेकाबू धार, कृष्ण वही साहिल, जो थामे उसे हर बार।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंदिर और सामाजिक उत्थान

केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंदिरों में गौशाला, सनातन धर्म की शिक्षा देने वाले संस्थान और चिकित्सालय स्थापित किए जाने का सुझाव देकर सर्वसमाज के कल्याण के लिए बहुत गहरी बात कही है। मंदिर मुख्यत: पूजा-अर्चना के स्थान हैं। ये सामाजिक उत्थान के कार्यों में अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। मंदिरों के साथ गौशालाएं होंगी तो किसानों को फायदा होगा। अब तो कई वैज्ञानिक प्रयोगों से यह तथ्य सामने आ चुका है कि गोबर की खाद जमीन को न सिर्फ उपजाऊ बनाती है, बल्कि वह उसकी गुणवत्ता भी सुधारती है। उस धरती की उपज मानव एवं पशु धन के स्वास्थ्य की रक्षा करती है। आज अत्यधिक विषैले रसायनों और कीटनाशकों के प्रयोग से धरती बंजर होती जा रही है। उसकी उपज का स्वाद बदल गया है। उसमें विष का अंश पाया जाता है, जिससे गंभीर बीमारियां हो रही हैं। स्व. राजीव दीक्षित ने अपने विभिन्न व्याख्यानों में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया था और किसानों को वैज्ञानिक तरीके से गोबर की खाद बनाने का तरीका भी समझाया था। पश्चिमी प्रभाव के कारण भारत में गोबर, गौमूत्र और प्राकृतिक कीटनाशकों का बहुत मजाक उड़ाया गया था। इनकी जगह खतरनाक रसायनों की पैरवी की गई थी। आज दुनिया जान चुकी है कि गोबर, गौमूत्र और प्राकृतिक कीटनाशक धरती को उपजाऊ बनाते हैं। अगर इनका वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग किया जाए तो खेती की लागत घटेगी, उपज बढ़ेगी। हमारे मंदिरों में पर्यावरण के रक्षक बनने की शक्ति एवं सामर्थ्य है। यहां प्रसाद के साथ आम, नींबू, नीम, आंवला, तुलसी जैसे पौधों का वितरण किया जा सकता है। मंदिरों के सोशल मीडिया समूहों में बागवानी के तरीके बताए जा सकते हैं।

मंदिरों में सनातन धर्म की शिक्षा देने वाले संस्थान जरूर होने चाहिएं। प्राय: किशोरों और युवाओं के मन में धर्म को लेकर कई सवाल होते हैं। उन्हें अपने घर-परिवार में संतोषजनक जवाब नहीं मिलते। वहीं, देश में ऐसे कई गिरोह चल रहे हैं, जिनका काम ही ऐसे बच्चों को बरगलाना होता है। वे उनके दिलो-दिमाग में सनातन धर्म के खिलाफ बातें भर देते हैं। हाल के वर्षों में ऐसे कितने ही मामले सामने आए हैं, जिनमें हिंदू परिवारों की बेटियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराना पाया गया। सोशल मीडिया ऐसे मामलों से भरा पड़ा है। इन्हें सख्त कानून बनाकर कुछ हद तक रोका जा सकता है, लेकिन यह पुख्ता समाधान नहीं होगा। अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा देकर ही ऐसे गिरोहों से बचा सकते हैं। मंदिरों में चिकित्सालय की सुविधा भी होनी चाहिए। वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों को बुलाना चाहिए। देश में ऐसे अनेक सेवाभावी डॉक्टर हैं, जो आने के लिए खुशी-खुशी तैयार हो जाएंगे। आज जीवन शैली संबंधी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। लोगों की दिनचर्या प्रकृति के विरुद्ध होती जा रही है। आहार में हानिकारक पदार्थों की मात्रा बढ़ती जा रही है। अत्यधिक चटपटे, तीखे और गरिष्ठ पदार्थ सेहत को बिगाड़ रहे हैं। लोगों को मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद आयुर्वेद विशेषज्ञ यह समझाएं कि शरीर भी एक मंदिर है, जिसमें परमात्मा के अंश (आत्मा) का वास है। अगर यह बताया जाए कि किस ऋतु में कौनसी वनस्पति, कौनसे पदार्थ का सेवन करने से शरीर स्वस्थ रहेगा, तो लोग इस ओर जरूर ध्यान देंगे। इससे वे कई बीमारियों से सुरक्षित रहेंगे। हमारे आस-पास ही इतनी वनस्पतियां होती हैं, जिनकी सही जानकारी हो तो व्यक्ति काफी स्वस्थ रह सकता है। मंदिरों के माध्यम से इस क्रांति का मार्ग प्रशस्त होना ही चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसद के केंद्रीय कक्ष में पूर्व केंद्रीय मंत्री, महान शिक्षाविद एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र की एकता में उनके अतुलनीय योगदान को राष्ट्र सदैव कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता रहेगा।

-ओम बिरला

पराक्रमी योद्धा 'आमेर नरेश' महाराजा मानसिंह जी प्रथम की पुण्यतिथि पर आज सिटी पैलेस में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। महाराजा मानसिंह भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को सहेजने वाले महान शासक भी थे।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

रूप या गुण

सम्राट चंद्रगुप्त ने एक दिन अपने प्रतिभाशाली मंत्री चाणक्य से कहा- कितना अच्छा होता कि तुम अगर रूपवान भी होते। चाणक्य ने उत्तर दिया, महाराज रूप तो मृगतृष्णा है। आदमी की पहचान तो गुण और बुद्धि से ही होती है, रूप से नहीं। क्या कोई ऐसा उदाहरण है जहाँ गुण के सामने रूप फीका दिखे। चंद्रगुप्त ने पूछा। ऐसे तो कई उदाहरण हैं महाराज, चाणक्य ने कहा, पहले आप पानी पीकर मन को हल्का करें बाद में बात करेंगे। फिर उन्होंने दो पानी के गिलास बारी बारी से राजा की ओर बढ़ा दिये। महाराज पहले गिलास का पानी इस सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी काली मिट्टी की उस मटकी का था। अब आप बताएँ, किस गिलास का पानी आपको मीठा और स्वादिष्ट लगा।

सम्राट ने जवाब दिया- मटकी से भरे गिलास का पानी शीतल और स्वदिष्ट लगा एवं उससे तृप्ति भी मिली। वहाँ उपस्थित महारानी ने मुस्कुराकर कहा, महाराज हमारे प्रधानमंत्री ने बुद्धिचातुर्य से प्रश्न का उत्तर दे दिया। भला यह सोने का खूबसूरत घड़ा किस काम का जिसका पानी बेस्वाद लगता है। दूसरी ओर काली मिट्टी से बनी यह मटकी, जो कुरूप तो लगती है लेकिन उसमें गुण छिपे हैं। उसका शीतल सुस्वादु पानी पीकर मन तृप्त हो जाता है। आब आप ही बतला दें कि रूप बड़ा है अथवा गुण एवं बुद्धि?

सामयिक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

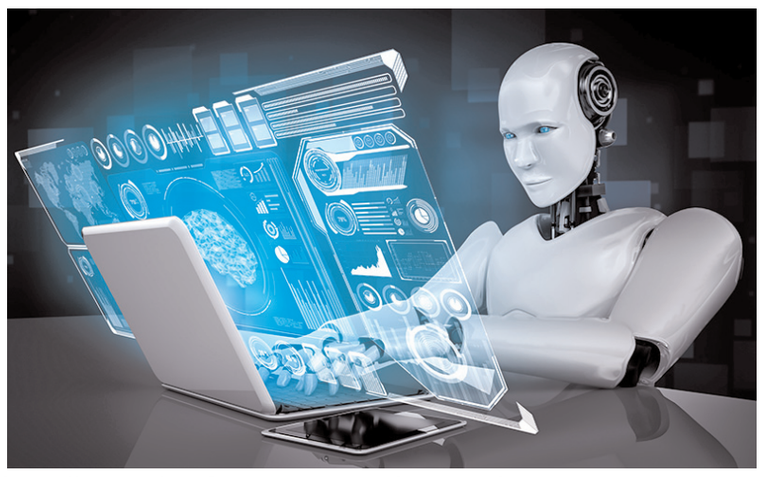

इक्कीसवीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी छलांगों में से एक है जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता - यानी ऐसा कंप्यूटर मस्तिष्क जो कहानी से लेकर समाचार रिपोर्ट, चित्र से लेकर कविता, और अदालत के निर्णय से लेकर संवाद तक खुद रच सकता है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि इस मशीनी रचनात्मकता की नींव क्या किसी और की मेहनत पर टिकी है? क्या यह नई तकनीक रचनाकारों, लेखकों, पत्रकारों, चित्रकारों और संगीतकारों की बनाई सामग्रियों को चुपचाप अपने ज्ञान का हिस्सा बना रही है - बिना उनकी अनुमति, बिना कोई श्रेय दिए? हाल ही में अमेरिका की दो अदालतों में ऐसे ही मामलों पर निर्णय हुआ। इन फैसलों ने फिलहाल तकनीकी कंपनियों को राहत दी है, पर यह विषय अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। इन फैसलों ने पूरी दुनिया में बहस छेड़ दी है और भारत भी इससे अछूता नहीं है।

जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले मॉडल, जैसे कि ओपनएआई का चैटजीपीटी या मेटा का लामा, करोड़ों पुस्तकों, वेबसाइटों, गीतों, समाचारों और चित्रों का अध्ययन करके प्रशिक्षित किए जाते हैं। इनका प्रशिक्षण इस तरह होता है जैसे कोई छात्र पुस्तकें पढ़कर ज्ञान प्राप्त करता है, लेकिन यह छात्र उस पुस्तक को पढ़ने से पहले लेखक से न अनुमति लेता है, न ही लेखक को श्रेय या पारिश्रमिक देता है। यही से विवाद आरंभ होता है। वर्ष 2024 में अमेरिका में पहला मामला आया जिसमें कुछ उपन्यासकारों ने कंपनी 'एंथ्रॉपिक' पर आरोप लगाया कि उसने उनकी पुस्तकों का उपयोग अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया। लेखकों का कहना था कि यह उनकी बौद्धिक संपदा का उल्लंघन है। परंतु अदालत ने निर्णय दिया कि यह मॉडल जो नई सामग्री उत्पन्न कर रहा है, वह मूल रचना से अलग, नया और परिवर्तित है। इसलिए यह 'उचित प्रयोग' की श्रेणी में आता है और कंपनी को अपराधी नहीं माना जा सकता। दूसरे मामले में कंपनी मेटा पर साहित्य और पत्रकारिता सामग्री को बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप था। अदालत ने माना कि कंपनी ने सचमुच संरक्षित रचनाएं पढ़ी थीं, लेकिन उसका उद्देश्य कुछ नया सीखना और बनाना था, इसलिए इसे भी 'परिवर्तनकारी उपयोग' मानते हुए मेटा को दोषमुक्त कर दिया गया। इन दोनों फैसलों से एक संदेश यह गया कि न्यायालय फिलहाल तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन लेखक समुदाय और बौद्धिक श्रमिकों के मन में यह सवाल घर करता जा रहा है कि यदि यह 'उचित प्रयोग' है, तो उनकी मेहनत, मौलिकता और अधिकारों का क्या? अब दृष्टि भारत की ओर मोड़ते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने वर्ष 2024 में ओपनएआई पर आरोप लगाया कि उसके संवाद आधारित मॉडल (जैसे चैटजीपीटी) उनकी समाचारों की भाषा, शैली और विषय-वस्तु की हूबहू नकल कर रहा है। इसके अलावा प्रकाशक संघों ने भी आरोप लगाए कि भारत में कॉपीराइट पंजीकरण की अनदेखी कर इन एआई कंपनियों ने भारतीय सामग्री का व्यावसायिक दोहन किया। ओपनएआई का पक्ष यह था कि वह भारत में न तो अपने सर्वर चलाता है, न ही उसका कोई स्थायी कार्यालय है। उसका तर्क था कि उसकी तकनीक कुछ नया, परिवर्तित और जनहित में उपयोगी सामग्री तैयार करती है और यह बौद्धिक चोरी नहीं कहलाती।

यह मामला अब दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, और इसकी सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में निर्धारित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में अब यह बहस न्यायिक गलियारों में पहुंच चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या भारत का मौजूदा बौद्धिक संपदा कानून इस नई तकनीकी चुनौती के लिए तैयार है? 1957 में बनाए गए कॉपीराइट अधिनियम में उचित प्रयोग' की धारणा है, पर उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मामलों की स्पष्ट व्याख्या नहीं है। ना ही भारत में ऐसा तंत्र है जो यह जांच सके कि कोई एआई मॉडल प्रशिक्षण के लिए किन सामग्रियों का उपयोग कर रहा है और वे सामग्री कॉपीराइट के अंतर्गत आती हैं या नहीं।आज लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतकार, फोटोग्राफर और पत्रकार यह महसूस कर रहे हैं कि उनका सृजन कार्य मशीनों के पेट में डाला जा रहा है, और बदले में उन्हें न कोई श्रेय मिल रहा है, न ही पारिश्रमिक। यह न केवल कानूनी बल्कि नैतिक चिंता का विषय है। इस विषय पर बहस यह नहीं है कि तकनीक को रोका जाए। नवाचार और प्रौद्योगिकी की प्रगति आवश्यक है, लेकिन वह प्रगति ऐसी न हो जो मानवीय रचनात्मकता को निगल जाए। अगर कोई लेखक दस वर्षों की मेहनत से एक उपन्यास रचता है, और कोई मशीन दो सेकंड में उसकी शैली की नकल करके नया 'उत्पाद' बनाती है, तो यह न तो न्यायसंगत है, न ही सम्मानजनक। न्यायालयों की जिम्मेदारी अब केवल यह नहीं रह गई कि वे कंपनियों और व्यक्तियों के बीच विवाद सुलझाएं, बल्कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य का तकनीकी विकास समान रूप से सभी के हित में हो। केवल पूंजी और तकनीक के सहारे अगर किसी का बौद्धिक श्रम मुफ्त में हड़पा जा रहा है, तो वह लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों का उल्लंघन है। भारत को चाहिए कि वह अपने कॉपीराइट कानूनों की पुनर्रचना करे - विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग के अनुरूप। ऐसी व्यवस्था बने जिसमें रचनाकारों की रचनाओं को यदि तकनीक द्वारा उपयोग किया जा रहा है तो उन्हें उसका पारिश्रमिक मिले, उनके नाम का उल्लेख हो, और उनकी अनुमति अनिवार्य हो। यह केवल न्याय की बात नहीं है, यह साहित्य, संस्कृति और रचनात्मकता की रक्षा की बात है। यदि हम अपने समय के रचनाकारों की अनदेखी करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ तकनीक तो पाएंगी - पर संवेदना नहीं, आत्मा नहीं। मशीनों को दी उड़ान, पर कलम से छीना आसमान, बिना श्रेय के ज्ञान अगर, तो कैसा विज्ञान?

मुद्दा

पेड़ पौधों से मिलती है जीवनदायी आक्सीजन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

दे शभर में मानसूनी बारिश से पेड़, पौधे और जंगल को नवजीवन मिला है। सर्वत्र हरियाली छाने से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट देखी जा रही है। यह वह समय है जब हम पेड़ पौधे लगाकर देश को हराभरा बना सकते है। बताया जाता है एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसे लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़ पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़ पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़ पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़ पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधें इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयी नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं। भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़ पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है।

वनस्पतियां आक्सीजन देकर हमें जीवन प्रदान करती हैं। बिना आक्सीजन के हम जीवित रह ही नहीं सकते और पेड़-पौधे यही जीवनदायिनी आक्सीजन छोड़ते हैं। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। वे हमारे द्वारा छोड़ी गई विषैली गैस कार्बन-डाइ-आक्साइड को ग्रहण करते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पीपल, नीम, तुलसी, एलोवेरा, एक्समस कैक्टस, सर्पेन्टाइल (स्नेक प्लांट), आर्चिड्स, आरेंजग्रेवेरा आदि ऐसे पेड़-पौधें हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़-पौधे न रहें तो जिन्दा रहने के लिए साँस और जीवन की धड़कन ही बन्द हो जायेगी। अब भी समय है हम समझे और समझाए की पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए कितने अहम और प्राणदायक है।

पेड़ पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटना आरम्भ कर दिया। वनों की लगातार कटाई होती गई और वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है की वृक्षों की छांव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है।

नजरिया

झारखण्ड का एक अनोखा जंगली मशरूम पुटू

अशोक प्रवृद्ध

झारखण्ड और छतीसगढ़ की सीमावर्ती जिलों के वनों, जंगलों में वर्षा ऋतु के प्रारम्भिक काल में स्वतः ही उगने, निकलने वाली पुटू नामक मशरूम के इस वर्ष कमोत्पति अर्थात कम उपज के कारण लोग इसके प्राकृतिक, असली और बेहतरीन स्वाद से वंचित होकर रह गए हैं। लोग मजबूरी में घरों में मशरूम की खेती से उत्पादित पुटू के व्यंजनों में उस जानी-पहचानी, सदियों से आनुवंशिकी में बसी पुटू के स्मरणीय स्वाद को ढूँढने को विवश हैं। विगत वर्षों में पुटू को खोज व उसे पाकर जमीन से खोदकर निकाल, संग्रहण करने के लिए लोग प्रातः काल ब्रह्म बेला में ही घर से पैदल अथवा अपने वाहनों से दूर-दूर के जंगलों तक निकल पड़ते थे, और सुबह से शाम तक इस कार्य में तल्लीन रहते थे, लेकिन इस वर्ष पुटू अर्थात रुगड़ा की अनुपलब्धता के कारण जंगलों में इसको ढूंढने वाले लोग भी विगत वर्षों की अपेक्षा कम ही दिखाई देते हैं, बल्कि दिखलाई ही नहीं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु में जंगलों में कई प्रकार के मशरूम उगते हैं। इन मशरूमों का उपयोग खाने में किया जाता है और ये अपने अनोखे स्वाद और महत्वपूर्ण खनिज व पोषक तत्वों के लिए जाने जाते हैं। झारखण्ड और छतीसगढ़ की सीमाओं के जंगलों में वर्षा ऋतु के आरंभ में वनों में, जंगलों में उगने वाले अनेक मशरूमों में से एक ऐसा ही मशरूम है- पुटू, जो वर्षा ऋतु में जंगलों में उगने वाले कई प्रकार के अन्य मशरूमों से अनेक रूपों में भिन्न है।

खाने के लिए उपयोग में लाया जाने वाला यह मशरूम अपने अनोखे स्वाद और पोषक तत्वों के लिए लोकप्रिय हैं । झारखण्ड के जंगलों में पाया जाने वाला यह वन्य मशरूम पुटू अथवा रुगड़ा एक मौसमी मशरूम है, जो वर्षा ऋतु में उगता है। रुगड़ा या पुटू का उपयोग स्थानीय व्यंजनों में किया जाता है और यह अपने अनोखे स्वाद और पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है। यह चावल और रोटी के साथ ही विभिन्न प्रकार के स्थानीय व्यंजनों के साथ चाव से खाया जाता है। पुटू को स्थानीय भाषा में रुगड़ा भी कहा जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसे गुच्छी, मोरछी भी कहा जाता है। क्षेत्रीय भाषा में इसके विभिन्न नाम हैं। झारखण्ड प्रदेश और देश के अन्य क्षेत्रों में वन्य मशरूमों के नाम विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अलग-अलग हैं। नागपुरी, संथाली, हो, मुंडारी, कुड़ुख आदि झारखण्ड के स्थानीय भाषाओं में पुटू मशरूम के कई नाम हैं। इसे सादरी व नागपुरी में पुटू, रुगड़ा, गुच्छी या गुच्ची, संथाली, मुंडारी व हो भाषा में गुच्ची या गुचुम, कुड़ुख में गुच्ची या खुखुरु (खुखरी) कहा जाता है। पुटू के इन नामों में भिन्नता हो सकती है और विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों का उपयोग किया जा सकता है।

झारखण्ड के जंगलों में पाया जाने वाला यह वन्य मशरूम पुटू अथवा रुगड़ा एक मौसमी मशरूम है जो वर्षा ऋतु में उगता है। वर्षा ऋतु के शुरुआती काल में जंगलों में स्वतः ही उगने वाली इस मशरूम की अनेक विशेषताएं हैं। पुटू का आकार गोलाकार या अंडाकार होता है। इसका रंग सफेद या हल्का भूरा होता है। यह उगने के अंतिम दौर में काला रंग का भी हो जाता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है।

यह एक मौसमी मशरूम है जो वर्षा ऋतु के अतिरक्त अन्य समय में नहीं उगता है। झारखण्ड के आदिवासी- गैर आदिवासी सदान समुदायों में यह मशरूम एक महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत है। इसका उपयोग सब्जी, सूप, और सलाद आदि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में किया जा सकता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है, जो इसे स्थानीय व्यंजनों में एक लोकप्रिय घटक बनाता है। पुटू एक पौष्टिक मशरूम है, जिसमें शरीर के लिए आवश्यक प्रोटीन, पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद फाइबर, विटमिन बी व डी, पोटेशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और कॉपर जैसे महत्वपूर्ण खनिज व पोषक तत्व होते हैं। पुटू में विटामिन और खनिज होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। कुछ अनुसंधानों के अनुसार पुटू में उपलब्ध एंटीऑक्सीडेंट गुण कैंसर से बचाव में मदद करते हैं। शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं। इन पोषक तत्वों और खनिजों के कारण रुगड़ा एक स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य विकल्प हो सकता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है, जो इसे स्थानीय व्यंजनों में एक लोकप्रिय घटक बनाता है। यह सब्जी व सलाद के रूप में एक स्वादिष्ट और पौष्टिक तथा पेय पदार्थ के रूप में एक आरामदायक और पौष्टिक पेय पदार्थ अर्थात सूप का बेहतर विकल्प हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य और भारतीय उच्चायोग के अधिकारी रविवार को लंदन के इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए।

हर मुद्दे को आतंकवाद से न जोड़ें : सलमान खुर्शीद

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने रविवार को यहां कांवड़ यात्रा मार्ग पर एक होटल कर्मचारी के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा होने के बीच कहा कि हर आपत्तिजनक घटना को आतंकवाद से नहीं जोड़ा जाना चाहिये।

खुर्शीद ने यहां संवाददाताओं से कहा, हर निंदनीय कृत्य को आतंकवाद के बराबर नहीं माना जाना चाहिए। आप किसी कृत्य की आलोचना कर सकते हैं लेकिन इससे वह आतंकवाद नहीं बन जाता। ये हमारे समाज के आंतरिक मामले हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम एक-दूसरे को ठेस न पहुंचाएं।

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद एस टी हसन ने बुधवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों की 'धार्मिक पहचान' कर रहे कुछ कथित हिंदूवादी संगठनों की हरकतों की कड़ी निंदा की थी और ऐसे कृत्यों को आतंकवाद के बराबर बताया था।हसन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था,होटल कर्मचारियों और स्थानीय विक्रेताओं से उनके नाम पूछना और उनके धर्म की पहचान के लिए कपड़े उतारने के लिए मजबूर करना दरअसल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए काम से अलग नहीं है। यह भी आतंकवाद का ही एक रूप है।

घटना के दौरान होटल कर्मचारी की पैंट जबरन उतारे जाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर खुर्शीद ने जवाब दिया, जिसने भी ऐसा किया, वह गलत था। यह हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति के खिलाफ है। हम साथ रहते हैं। हमारी साझा राष्ट्रीय पहचान है और यह हमारी अपनी-अपनी आस्थाओं में निहित है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों पर नामपट्टिका लगाने की मांग के बारे में खुर्शीद ने कहा,हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। इस देश में विभिन्न समुदायों और आस्थाओं के लोग रहते हैं। हम अलग-अलग धर्मों से संबंधित हो सकते हैं, लेकिन हमारे अंदर कोई विभाजन नहीं हैं। एक-दूसरे की आस्थाओं का सम्मान जरूरी है।

उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए खुर्शीद ने कहा,हमारा गठबंधन टूटा नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता समय-समय पर गठबंधन पर चर्चा करते रहते हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर खुर्शीद ने संगठनात्मक ताकत और चुनावी सफलता के बीच अंतर को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हमारी जड़ें मजबूत हैं, लेकिन कभी-कभी फसल अच्छी नहीं होती। मौसम सही होना चाहिए। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि नतीजे सुनिश्चित करने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

खुर्शीद ने कहा कि वह कांग्रेस की नवनियुक्त जिला और शहर समितियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मुजफ्फरनगर आए हैं।

दलाई लामा ने मनाया अपना 90वां जन्मदिन

धर्मशाला/भाषा। दलाई लामा मंदिर 'सुगलागखांग' के मुख्य प्रांगण में रविवार सुबह भारी बारिश के बावजूद 14वें दलाई लामा का 90वां जन्मदिन मनाने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए। यह आयोजन ऐसे वक्त हुआ है जब पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दलाई लामा संस्था को समाप्त कर दिया जाएगा। उनके जन्मदिन पर विभिन्न तिब्बती बौद्ध संप्रदायों के प्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों, विभिन्न देशों के नर्तकों और गायकों तथा दुनिया भर से बौद्ध धर्मावलंबियों ने भाग लिया। देश-विदेश से आए नेताओं ने भी इस आयोजन में भाग लिया और दलाई लामा तथा वैश्विक शांति एवं धार्मिक सद्भाव के प्रति उनकी सतत प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। समारोह में विशाल केक के सामने बैठे दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि यह लोगों का प्यार है जो उन्हें सभी प्राणियों की सेवा के मार्ग पर चलते रहने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं अपनी ओर से शांतिदेव के बोधिसत्वचर्यावतार- बोधिसत्व जीवन पद्धति पर विचार करता हूं, सभी सत्वों को अपना रिश्तेदार और मित्र मानता हूं, और मैं हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार सभी की सेवा करने के बारे में सोचता हूं। इस जन्मदिन समारोह पर आप सभी बहुत खुशी के साथ यहां आए हैं। इसलिए धन्यवाद।

तिब्बती नेता ने कहा, जितने अधिक लोग होंगे, उनके हृदय में उतनी ही अधिक खुशी होगी। मैं इसलिए भी प्रेरित महसूस करता हूं क्योंकि मैं बोधिचित्त का अभ्यास करता हूं। दलाई लामा ने कहा कि लोग उनके जन्मदिन पर किसी बाध्यता के कारण नहीं आए हैं, बल्कि गहरी श्रद्धा के साथ आए हैं। उन्होंने कहा, इसलिए जब मैं अपने जीवन पर विचार करता हूं, तो पाता हूं कि मैंने अपना जीवन बिल्कुल भी बर्बाद नहीं किया है। दलाई लामा की उपाधि मिलने के बाद भी मुझमें कोई अभिमान या अहंकार नहीं है। बुद्ध के अनुयायी, भिक्षु के रूप में जनता की सेवा करना और बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करना ही मेरा मुख्य अभ्यास है। समारोह की शुरुआत स्विटजरलैंड में रहने वाले तिब्बती गायक जमयान चोडेन द्वारा दलाई लामा के लिए प्रस्तुत गीत से हुई। इसके बाद मंगोलियाई और अल्बानियाई कलाकारों के एक समूह द्वारा नृत्य प्रदर्शन किया गया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष सिक्योंग पेनपा सेरिंग ने निर्वासित तिब्बती सरकार के मंत्रिमंडल, काशाग का एक बयान जारी किया और तिब्बतियों और तिब्बत के मित्रों द्वारा वैश्विक स्तर पर मनाए जाने वाले 'करुणा वर्ष' की घोषणा की।

बयान में कहा गया है कि दलाई लामा की चार प्रमुख प्रतिबद्धताएं - सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना, धार्मिक सद्भाव, तिब्बती संस्कृति और पर्यावरण का संरक्षण तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान का पुनरुद्धार - विश्व के मुद्दों के लिए अद्वितीय समाधान प्रस्तुत करती हैं। बयान में कहा गया है, आज की दुनिया में, जो हिंसक संघर्ष, हथियारों की दौड़, व्यापार युद्ध, सामाजिक विखंडन, नैतिक पतन और जलवायु परिवर्तन सहित परस्पर जुड़े संकटों का सामना कर रही है, ये प्रतिबद्धताएं अद्वितीय और निर्विवाद समाधान प्रस्तुत करती हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और राजीव रंजन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सिक्किम के मंत्री सोनम लामा और हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेर ने प्रस्तुतियों के बाद सभा को संबोधित किया। वैश्विक नेताओं ने दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई दी और तिब्बती लोगों के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने वीडियो संदेशों के माध्यम से जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजीं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इस अवसर पर एक संदेश भेजा। रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका परम पावन दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देता है।

मेरी छवि खराब करने के लिये 'वायरल' किया जा रहा पुराना वीडियो : हेमा मालिनी

मथुरा (उप्र)/भाषा। प्रस्तावित 'बांके बिहारी कॉरिडोर' के बारे में अपनी कथित टिप्पणी पर स्थानीय निवासियों और पुजारियों द्वारा नाराजगी जताये जाने के एक दिन बाद मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने रविवार को कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए जानबूझकर एक पुराना वीडियो 'वायरल' किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में हेमा मालिनी को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम कॉरिडोर बनाएंगे और जो इसका विरोध कर रहे हैं, हमें उन्हें कहीं और जाने के लिए कहना पड़ सकता है। इस कथित बयान पर यहां समुदाय के विभिन्न वर्गों ने नाराजगी जताई है। हेमा मालिनी ने इस 'वायरल' वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रविवार को टेलीफोन पर बातचीत में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह वीडियो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले का है। लोगों में मतभेद पैदा करने के लिए जानबूझकर गलत सूचना फैलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही बनाया जाएगा और सभी पक्षों के हितों की रक्षा की जाएगी। भाजपा सांसद ने कहा, मथुरा मेरी कर्मभूमि है। मैं इस शहर को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही हूं। हमने जो भी परियोजनाएं जमीन पर उतारी हैं वे स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए ही बनायी गयी थीं। उन्होंने कहा, मैं भगवान कृष्ण की सेवा में यहां आई हूं और बृजवासी मेरे परिवार का हिस्सा हैं। प्रस्तावित 'बांके बिहारी कॉरिडोर' का उद्देश्य भीड़ के दबाव को कम करना और भक्तों के लिए सुविधाओं में सुधार करना है। हालांकि, गोस्वामी समुदाय और दुकानदारों समेत स्थानीय लोगों को विस्थापन, विरासत के नुकसान और वृंदावन के पारंपरिक चरित्र में बदलाव का डर है। बांके बिहारी मंदिर के पुजारी ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामी ने कहा, भगवान कृष्ण के पास लोगों को सबक देने का अपना तरीका है। उन्होंने भगवान कृष्ण द्वारा देवराज इंद्र के अभिमान को कुचलने की कहानी का हवाला देते हुए कहा, हेमा जी को हमें बृजभूमि छोड़ने के लिए कहते समय यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। शनिवार को एक अन्य पुजारी रसिक बिहारी गोस्वामी ने सांसद हेमा मालिनी की कथित टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, वह 'बांके बिहारी कॉरिडोर' बनाने की योजना से प्रभावित लोगों से बात करने के लिए कभी नहीं आईं, लेकिन इतनी अहंकारपूर्ण तरीके से हमें जाने के लिए कह रही हैं।

स्वागत

रियो डी जेनेरियो में रविवार को ब्राजील में होटल में पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय समुदाय द्वारा स्वागत किया गया।

संबोधन

बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री रविवार को बिहार के पटना में सनातन महाकुंभ को संबोधित करते हुए।

'अल्लाह के बंदे' से 'राम धुन' तक, कैलाश खेर ने बिखेरा सुरों का जादू

मुंबई/एजेन्सी

संगीत की दुनिया में अपनी अनूठी आवाज से जादू बिखेरने वाले पद्मश्री कैलाश खेर का 7 जुलाई को 52वां जन्मदिन है। 7 जुलाई, 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में जन्मे कैलाश खेर की जिंदगी किसी प्रेरक कहानी से कम नहीं। गरीबी, असफलताओं और विवादों से जूझते हुए उन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में खास पहचान बनाई। लेकिन, इस शोहरत की राह आसान नहीं थी। कैलाश खेर का बचपन मेरठ की गलियों में गुजरा, जहां संगीत उनके लिए जीवन का आधार बन गया। उनके पिता पंडित मीजान खेर एक लोक गायक थे, जिनसे कैलाश को संगीत की प्रारंभिक शिक्षा मिली। शास्त्रीय संगीत के दिग्गजों जैसे पंडित कुमार गंधर्व, भीमसेन जोशी, हृदयनाथ मंगेशकर और सूफी बादशाह नुसरत फतेह अली खान से प्रेरित कैलाश ने संगीत को अपनी साधना बनाया। लेकिन, मुंबई की मायानगरी में कदम रखने से पहले उनकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आए, जिन्होंने उन्हें तोड़ने की कोशिश की।

कैलाश खेर की जिंदगी का एक ऐसा किस्सा है, जिसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह जाता है। शुरुआती दिनों में वह आर्थिक तंगी और असफलताओं से जूझ रहे थे, उन्होंने हताश होकर अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद ये हैरत में डालने वाला किस्सा सुनाया था। एक रात वह ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे पहुंचे और आत्महत्या करने की सोची। लेकिन, जैसा कि वह खुद बताते हैं, वहां वह बच गए, उस एक घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी। कैलाश ने इस घटना को अपनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इस घटना ने उन्हें जिंदगी में एक बड़ा सबक दे दिया।

साल 2003 में फिल्म 'अंदाज' के गाने 'रब्बा इश्क ना होवे' से कैलाश ने बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन असली पहचान 'अल्लाह के बंदे' से मिली। उनकी आवाज में एक जादुई कशिश है, जो श्रोताओं को सूफी और भक्ति के साथ ही मेलोडी रंग में डुबो देती है।

फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री अमृता सिंह के लिए बहुत बड़ा दिन है, क्योंकि शुक्रवार के दिन एक तरफ उनकी बेटी 'सारा अली खान' की फिल्म मेट्रो... इन दिनो रिलीज हुई है, तो वहीं दूसरी तरफ इब्राहिम की फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सरजमीन' का ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज मम्मी का दिन है! क्योंकि आज ही के दिन मेरे भाई की फिल्म का ट्रेलर और मेरी फिल्म रिलीज हुई है... और अगर मैं खुद कहूं तो, दोनों ही... अब थिएटर जाओ! और 25 जुलाई के लिए अपना कैलेंडर मार्क कर लो! सरजमीन में पृथ्वीराज सुकुमारन को विजय मेनन के रूप में दिखाया गया है, एक ऐसा व्यक्ति जो पिता और सैनिक के रूप में अपने कर्तव्य के बीच फंसा हुआ है। वहीं, काजोल फिल्म में मां की भूमिका अदा कर रहीं हैं, जो अपने परिवार को एक साथ रखने की कोशिश करती रहती हैं, और इब्राहिम को हरमन के रूप में देखा जाएगा। इस मोस्ट अवेटेड ड्रामा का हिस्सा बनने के अपने उत्साह को साझा करते हुए, इब्राहिम ने कहा, सरज़मीन मेरे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। इसने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। मेरा किरदार प्यार, वफादारी और सच्चाई के बीच फंसा हुआ है, और उस भावनात्मक स्पेक्ट्रम को नेविगेट करना सबसे तेजी से सीखने वाला अनुभव था।

काजोल और पृथ्वीराज के साथ स्क्रीन साझा करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काजोल मैम और पृथ्वीराज सर को एक्शन में देखना एक खजाना था, वे अपनी कला में इतने सहज और स्वाभाविक हैं और जिसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मैंने सरजमीन में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे। सरजमीन जैसी कहानियों को हर जगह, हर किसी को देखने और महसूस करने की आवश्यकता है। निर्देशक कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित सरजमीन 25 जुलाई को जियोसिनेमा पर रिलीज होने की उम्मीद है।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण : शुभांगी अत्रे

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है।

उन्होंने कहा, ''मुझे 'संघर्ष' शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है।'' लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, ''मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं।''

शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, ''दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।'' शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा, ''टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो, शुभांगी ने एक्टिंग की शुरुआत एकता कपूर के शो 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। वह 'कस्तूरी', 'दो हंसों का जोड़ा', और 'भाबीजी घर पर हैं' जैसे शो में अपने किरदार के लिए जानी जाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 07-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी का चातुर्मास प्रवेश धूमधाम से सम्पन्न हुआ। रविवार को कुमारापार्क स्थित पन्नालाल कन्हैयालाल गिरिया के निवास स्थान से अनुशासन रैली के साथ संतश्री विभिन्न मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंचे। दिनेश छाजेड़ एवं टीम ने अनुशासन रैली की व्यवस्था संभाली।

भवन का उद्घाटन करते हुए सालेचा परिजन

भवन के प्रमुख मुख्य लाभार्थी रांका परिवार

फलेचुंदड़ी के लाभार्थी पंचकेसरी बडेरा परिवार

हर्षोल्लास से हुआ गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन का उद्घाटन

बिन्नी मिल ग्राउंड पर हुआ विभिन्न लाभार्थियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट व आराधना केन्द्र के तत्वावधान में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी की प्रेरणा से इटा अपार्टमेन्ट के पास केपी अग्रहारा में नवनिर्मित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का उदघाटन लाभार्थी राजधानी पेपर बोर्ड के पारसमल रतनकुमार, महेन्द्रकुमार विमलकुमार सुशीलकुमार सालेचा परिवार द्वारा किया गया। इसके बाद भवन के प्रमुख मुख्य लाभार्थी महेश हार्डवेयर एंड पाइप्स के अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार ने लिफ्ट, रिसेप्शन हॉल का उद्घाटन किया। साथ ही भवन में विभिन्न प्रकल्पों का संबंधित लाभार्थी परिवारों द्वारा उद्घाटन किया गया।

उदघाटन के बाद बिन्नी मिल ग्राउंड पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें ट्रस्टी व भवन संबंधी प्रकल्पों, फलेचुंदड़ी के लाभार्थी पंचकेसरी बडेरा परिवार सहित विभिन्न लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। शाम को भक्ति संध्या में गायक वैभव बागमार ने भजनों की प्रस्तुति दी। सोमवार को सुबह उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी का चातुर्मास प्रवेश, ध्वजारोहण व संतों का प्रवचन होगा। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास व्यवस्था समिति व जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा, महामंत्री महावीरचन्द मेहता, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेच्छा व पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के भारतीय जैन संगठन के सदस्यों ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में केआरएस मार्ग पर स्थित राजकीय अस्पताल जयदेवा एंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ कार्डियो साइंस रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. सदानंद गौड़ा का सम्मान किया। इस मौके पर बीजेएस मैसूरु के अध्यक्ष राजन बाघमार, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, प्रकाश गांधी, गौतम गांधी आदि उपस्थित थे।

बोलना चाँदी है किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दावणगेरे/दक्षिण भारत । शहर के शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरी गुरुमंदिर संघ काईपेट में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्रीजी ने कहा कि बोलना चाँदी है, किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है। मौन आनन्द का अक्षय कोष है। मौन मुक्तिनगर पहुँचाने का माध्यम है। मौन पर सदैव शान्ति व समाधि के फल लगते हैं। मौन आत्मशुद्धि का उपाय है । मौन से दिमाग की शक्ति बढ़ती है। मौन से शोक, सन्ताप घटते हैं। मौन बुद्धिमानी का लक्षण है। साध्वी शीतलगुणा श्रीजी ने कहा कि मौन की आवाज कभी निष्फल नहीं जाती। मौन रहने पर मूर्ख भी विद्वानों की श्रेणी में आ जाता है। मौन का मूक उपदेश कई बार भाषणों से भी विशेष प्रभावशाली होता है। मौन मानव का सच्चा भूषण है।महापुरुषों का कथन है कि शब्द मोती से भी मूल्यवान है, क्योंकि जेब से गया मोती भाग्योदय से वापस मिल सकता है, परन्तु मुँह से निकला हुआ वचन वापस लेना असम्भव है। गुरुमंदिर संघ के अध्यक्ष पूनमचंद जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में 11 जुलाई से गौतम कमल लब्धितप प्रारंभ होगा।

'धर्मोत्सव चातुर्मास' में ज्ञान, वैराग्य, दर्शन, चरित्र का उत्सव मनाया जाएगा : मुनिश्री पुलकित कुमार

तेरापंथ सभा गांधीनगर में मुनिद्वय का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी का चातुर्मास प्रवेश धूमधाम से सम्पन्न हुआ। रविवार को कुमारापार्क स्थित पन्नालाल कन्हैयालाल गिरिया के निवास स्थान से अनुशासन रैली के साथ संतश्री विभिन्न मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंचे। दिनेश छाजेड़ एवं टीम ने अनुशासन रैली की व्यवस्था संभाली। भवन पहुंचकर मुनिद्वय ने भिक्षु मंत्र का जाप कर मंगल वेला में विशाल जनमेदनी के साथ तेरापंथ भवन में प्रवेश किया। इस मौके पर पुलकित कुमारजी के साथ वरुणमुनिजी, ध्यान योगीजी व साध्वीश्री पावनरत्नाजी भी उपस्थित थे। प्रवेश के बाद सभा भवन में चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। तेरापंथ महिला मंडल ने स्वागत गीत गाया। तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील चोरड़िया ने भी संतों के चातुर्मास प्रवेश के लिए मंगलकामनाएं दी। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष पुष्पराज चौपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं व बच्चों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने गीत के माध्यम से अपने बेंगलूरु विहार व परिचय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चातुर्मास का समय सुनने, सोचने व करने का समय है। चातुर्मास परिवर्तन का काल है। मुनिश्री ने चातुर्मास काल में ज्यादा से ज्यादा धर्म आराधना करने की प्रेरणा दी। साध्वी श्री पावनरत्नाजी ने गीत के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धातों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम सभी जैन संत एक हैं, सभी प्रभु महावीर के शिष्य हैं। पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने गीत का संगान किया। मंदिरमार्गी मुनिश्री ध्यानयोगीजी म.सा. ने कहा कि आराधना साधना करने का समय है वर्षावास।चातुर्मास में चेंज अर्थात बदलाव लाना होगा, च्वाइस मतलब हमें ज्ञान, त्याग, तप को चुनना होगा, चांस अर्थात मुनिश्री पुलकितकुमारजी का चातुर्मास मिला है उसका लाभ उठाना चाहिए। भौतिक जीवन में गुरु का होना सौभाग्य की बात है। अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए संतों का स्वागत किया। स्थानकवासी वरुणमुनिजी ने आचार्यश्री भिक्षु का दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि संत किसी भी देश व वेश का हो उनका सम्मान होना चाहिए। जीवन को आनंद के साथ जीने वाले सच्चा साधक है और आनंद प्राप्ति का एक मात्र मार्ग है धर्म।

अपने चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने कहा कि संतों के प्रवेश से श्रावक श्राविकाओं के जीवन की दिनचर्या में परिवर्तन होता है। मुनिश्री ने कहा कि हमारे इस धर्मोत्सव चातुर्मास' में ज्ञान, संयम, तप, जप, वैराग्य, दर्शन, चरित्र का उत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चातुर्मास प्रवेश पर श्रद्धालुओं ने सांकेतिक रूप से धर्म का तिलक लगाया है और हम सब को एकजुट होकर धर्म आराधना करते हुए इसे सिरमोर बनाना है। मुनिश्री ने चातुर्मास में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों व ज्ञान सत्रों की जानकारी दी। मुनिश्री विशेष रूप से युवाओं का आह्वान किया कि इस चातुर्मास में अधिक से अधिक युवाओं को जुड़ना है। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने आचार्यश्री भिक्षु के त्रिशताब्दी वर्ष कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि पूरे बेंगलूरु में नवकार मंत्र का जाप व आचार्यश्री भिक्षु मंत्र की आराधना की जाएगी। मुनिश्री ने तेरापंथ धर्मसंघ द्वारा दी गई विहार सेवा की सराहना की। संतश्री ने कहा कि उपस्थित विभिन्न सम्प्रदाय के साधु साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुनिश्री ने उपस्थित जनों से तपस्या का रिटर्न गिफ्ट देने का आह्वान किया। मुनिश्री ने बेंगलूरु में आयोजित अन्य चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव उपस्थित थे। गुंडूराव ने संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया और तेरापंथ सभा के पदाधिकारियों ने गुंडूराव का सम्मान किया। इस मौके पर तेरापंथ सभा, तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल, नए अध्यक्ष प्रसन्न धोका, महिला मंडल की अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल व नई अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा सहित अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया।

श्याम मंदिर में बाबा श्याम की भक्ति की बयार बही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित खाटू श्याम मन्दिर प्रांगण में देवशयनी एकादशी के मौके पर रविवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का ताजे फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया।

भजन संध्या में रायसिंहनगर से आए भजन गायक कन्हैया झा ने बाबा श्याम के बहुत ही मधुर मधुर भजन प्रस्तुत किए तथा लोगों को झूमने-नाचने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। रेवंतमल झंवर, सज्जन शर्मा व महेश पाराशर परिवार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन किए।

बोलना चाँदी है किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दावणगेरे/दक्षिण भारत । शहर के शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरी गुरुमंदिर संघ काईपेट में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्रीजी ने कहा कि बोलना चाँदी है, किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है। मौन आनन्द का अक्षय कोष है। मौन मुक्तिनगर पहुँचाने का माध्यम है। मौन पर सदैव शान्ति व समाधि के फल लगते हैं। मौन आत्मशुद्धि का उपाय है । मौन से दिमाग की शक्ति बढ़ती है। मौन से शोक, सन्ताप घटते हैं। मौन बुद्धिमानी का लक्षण है। साध्वी शीतलगुणा श्रीजी ने कहा कि मौन की आवाज कभी निष्फल नहीं जाती। मौन रहने पर मूर्ख भी विद्वानों की श्रेणी में आ जाता है। मौन का मूक उपदेश कई बार भाषणों से भी विशेष प्रभावशाली होता है। मौन मानव का सच्चा भूषण है।महापुरुषों का कथन है कि शब्द मोती से भी मूल्यवान है, क्योंकि जेब से गया मोती भाग्योदय से वापस मिल सकता है, परन्तु मुँह से निकला हुआ वचन वापस लेना असम्भव है। गुरुमंदिर संघ के अध्यक्ष पूनमचंद जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में 11 जुलाई से गौतम कमल लब्धितप प्रारंभ होगा।

जीण माता के द्वितीय वार्षिकोत्सव के लिए तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माँ जीण के दीवाने संस्था के तत्वावधान में आगामी 24 अगस्त को विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसवेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में आयोजित होने वाले द्वितीय वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए रविवार को आरआर नगर स्थित राजकुमार अग्रवाल के निवास पर तैयारी बैठक का आयोजन किया जिसमें दूसरे वार्षिकोत्सव की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम में जीण माता के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका व जयपुर के भजन गायक रवीश सोनी, सोनम सोनी संगीतमय मंगलपाठ करेंगे। हैदराबाद के कलाकारों द्वारा माँ जीण का भव्य दरबार सजाया जाएगा। संस्था के वरिष्ठ सदस्य नवरंग लाल सुल्तानिया, राजकुमार अग्रवाल, बिपिन अग्रवाल राजेन्द्र नथानी, मन्नालाल भामा सहित बड़ी संख्या में भक्तों व महिला भक्तों की उपस्थित थी। बैठक में सभी के सहयोग का आह्वान किया गया तथा जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर द्वितीय वार्षिकोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया।

राजस्थान जैन महिला समाज द्वारा 'फन फेयर' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के जैन बोर्डिंग सभागार में रविवार को स्थानीय राजस्थान जैन महिला समाज द्वारा फन फेयर का आयोजन किया गया। फेयर का उद्घाटन अशोककुमार कांतिलाल चौहान, अशोककुमार सालेचा, जय सालेचा, संदीप जैन, महिला समाज की बदामीबेन, पुष्पाबेन, ललिता चौहान, प्रभाबेन, चंद्राबेन, भगवन्तीबेन, रेखाबेन तथा सुनैना डागलिया ने फीटा काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा समाज सेवा को जन-जन तक पहुँचाना है। फन फेयर में समाज की महिलाओं द्वारा 40 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए, जिसमें स्वादिष्ट व्यंजन, हस्तशिल्प, खेल व अन्य मनोरंजक गतिविधियाँ के स्टॉल शामिल थे। ज्ञातव्य है कि राजस्थान जैन महिला समाज पिछले 40 वर्षों से मानव सेवा और सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है और वर्तमान में समाज की 300 सदस्याएं हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com